राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,26 अगस्त-2021 वर्ष-4,अंक-214 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

केंद्र सरकार से कोविशील्ड टीके के दूसरे डोज की अवधि पर मांगा जवाब, पूछा- 84 दिन का गैप क्यों है?

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए कोविशील्ड टीके के दूसरे डोज़ की अवधि पर जवाब मांगा है। उसने पूछा कि टीके की दो डोज के बीच में 84 दिन का गैप क्यों है? क्या इससे टीके का प्रभाव बढ़ता है? या टीकों की कमी की वजह से इतना गैप रखा है? जस्टिस पीबी सुरेश कुमार ने एक कपड़ा कंपनी की याचिका की सुनवाई के दौरान निजी पसोपेश भी जाहिर कर हुए कहा, अगर 84 दिन के गैप से टीके का प्रभाव बढ़ता है, तो मुझे अपनी चिंता हो रही है। मुझे दूसरा टीका सिर्फ 4 से 6 हफ्ते के अंतर पर लगा था। कपड़ा कंपनी काईटेक्स गारमेंट्स लिमिटेड ने हाईकोर्ट में यह याचिका दायर कर अपने कर्मचारियों को दूसरा डोज खुद देने की अनुमति मांगी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर उपलब्धता में कमी की वजह से इतना गैप है, तो जो लोग खरीद का यह टीका लगवाना चाहते हैं, उन्हें 84 दिन इंतजार किए बिना दूसरा डोज लेने की अनुमति दे देनी चाहिए। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को अपने तर्क के समर्थन में वैज्ञानिक डाटा भी देने के लिए कहा है। केंद्र सरकार के वकील ने जवाब देने के लिए समय मांगा। इस पर हाईकोर्ट ने याचिका पर अगली सुनवाई 26 अगस्त को रखी है। वहीं याचिकाकर्ता कंपनी के अनुसार उसने अपने करीब 5,000 वर्करों को टीके की पहली डोज दे दी है।

अफगानिस्तान से लाए गए 78 अफगानियों में 16 संक्रमित, अब तक 626 लोग पहुंच चुके हैं भारत

अफगानिस्तान के हालात बहुत नाजुक हो चले हैं। इसी कारण भारत वहां से लोगों को बाहर निकाल रहा है, लेकिन 16 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि ने भारत की चिंता बढ़ा दी है।

नई दिल्ली। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद एयरलिफ्ट किए जा रहे भारतीय व अफगान नागरिकों ने भारत की समस्या बढ़ा दी है। दरअसल, जिन 78 अफगान नागरिकों को भारत लाया गया था, उसमें से 16 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है।

रिपोर्ट सामने आते ही भारत की चिंता और बढ़ गई है, जिसके बाद सभी 78 लोगों को क्वारंटीन कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, जिन 16 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है उनमें से किसी में भी कोविड-19 के लक्षण नहीं थे। जांच के बाद रिपोर्ट सामने आने पर कोरोना का पता चला है, जिसके बाद सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

एयरपोर्ट पर ही हो रही कोरोना जांच

कोरोना संक्रमण को देखते हुए भारत सरकार, अफगानिस्तान से आ रहे लोगों की कोरोना जांच करा रही है।

- दरअसल, जिन 78 अफगान नागरिकों को भारत लाया गया था, उसमें से 16 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट सामने आते ही भारत की चिंता और बढ़ गई है, जिसके बाद सभी 78 लोगों को क्वारंटीन कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, जिन 16 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है उनमें से किसी में भी कोविड-19 के लक्षण नहीं थे। जांच के बाद रिपोर्ट सामने आने पर कोरोना का पता चला है, जिसके बाद सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

एयरपोर्ट पर ही उनकी जांच की जा रही है। इसी जांच में 16 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है।

अब तक 626 लोगों को निकाला गया

तालिबान पर कब्जे के बाद अफगानिस्तान के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से अफगानिस्तान के हालात बहुत ही नाजुक हैं, जिसके बाद सभी देश अपने-अपने नागरिकों को बाहर निकाल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि अफगानिस्तान से अब तक 228 भारतीय नागरिकों सहित 626 लोगों को बाहर निकाला गया है। इसमें 77 अफगानी सिख भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 626 लोगों में भारतीय दूतावास के लोग शामिल नहीं हैं।

मधुमेह समेत इन बीमारियों से ग्रस्त बच्चों को मिलेगी प्राथमिकता, दिशा-निर्देश हो रहे तैयार

नई दिल्ली। वयस्कों की तरह बच्चों का भी टीकाकरण कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से शुरू होगा। सबसे पहले कोरोना वैक्सीन पहले से बीमार बच्चों में लगेगा, जिन्हें संक्रमण का सबसे अधिक खतरा है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हार्ट, कैंसर, निमोनिया जैसी बीमारियों से ग्रस्त बच्चों को प्राथमिकता मिलेगी। टीकाकरण को लेकर गठित राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. एनके अरोड़ा ने बताया कि पहले से बीमार बच्चों का टीकाकरण सबसे पहले शुरू होगा। इसमें कुछ समय लग सकता है क्योंकि अभी बच्चों में बीमारियों को लेकर दिशा-निर्देश तैयार हो रहे हैं। अनुमान है कि करीब 20 से 25 बीमारियों को इसमें शामिल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि व्यस्कों की तरह बच्चों का भी टीकाकरण कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि देश में 12 से 18 वर्ष की आयु वालों की कुल आबादी तकरीबन 12 करोड़ है। जबकि 18 वर्ष से अधिक आयु वालों की कुल आबादी 94 करोड़ के आसपास है। अभी सरकार की प्राथमिकता वयस्कों का टीकाकरण पूरा करना है लेकिन अगले कुछ सप्ताह में 12 से 18 साल की आयु का टीकाकरण भी शुरू होगा। इसके लिए जायडस कैडिला कंपनी की वैक्सीन का इस्तेमाल किया जाएगा।

बच्चों के लिए आरक्षित रहेगी जायडस कैडिला की वैक्सीन-स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि शुरूआत में जायडस कैडिला कंपनी से सीमित मात्रा में वैक्सीन मिल सकती हैं। इसलिए डीएनए आधारित इस वैक्सीन को बच्चों के लिए आरक्षित रखा जाएगा। बाद में आपूर्ति नियमित होने पर इसे वयस्कों के लिए भी रखा जा सकता है। हालांकि इस पर अंतिम अनुमति के लिए पीएमओ के साथ बैठक होना भी बाकी है।

पहले वयस्कों का टीकाकरण पूरा करना उद्देश्य-डॉ. अरोड़ा ने बताया कि सितंबर अंत या फिर अक्तूबर माह की शुरुआत में बच्चों का टीकाकरण शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि सितंबर तक भारत बायोटेक की स्वदेशी कोवाक्सिन का बच्चों पर परीक्षण भी पूरा हो सकता है। उन्होंने कहा पहले वयस्कों का टीकाकरण तेजी से पूरा करना ही एकमात्र उद्देश्य है लेकिन वैक्सीन आपूर्ति नियमित होने पर पहले से बीमार बच्चों को प्राथमिकता पर रखा जाएगा।

अब व्हाट्सएप के जरिए लगेगी वैक्सीन

ऐसे बुक कर सकेंगे स्लॉट

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि कोविड रोधी टीकाकरण के लिए स्लॉट (समय) अब व्हाट्सएप के जरिए भी बुक कराया जा सकता है। मांडविया ने ट्वीट किया, नागरिक सुविधा के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त किया गया है। अब आप अपने फोन से कुछ ही मिनटों में कोविड-19 टीकाकरण के लिए आसानी से स्लॉट बुक करा सकते हैं। इसके लिए आपको व्हाट्सएप पर 'माई गोव व्हाट्सएप हेल्पडेस्क' पर बुक स्लॉट भेजना होगा, ओटीपी को सत्यापित करना होगा एवं अन्य चरणों का अनुसरण करना होगा।ज आज ही फोन नंबर 9013151515 पर स्लॉट बुक कराएं। इस बीच व्हाट्सएप ने कहा कि वह अपने मंच के माध्यम से लोगों को निकटतम टीकाकरण केंद्र का पता लगाने व इसके लिए स्लॉट बुक करने की सुविधा देगा। माइगोव के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सिंह ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म कोविड संबंधी तकनीकी समाधान के रूप में अग्रणी रहा है, जिससे देश के लाखों

लोगों को लाभ हुआ है। माइगोव कोरोना हेल्पडेस्क की शुरुआत मार्च 2020 में की गई थी।

ऐसे स्लॉट बुक करें

व्हाट्सएप के जरिये माईजीओवीइंडिया कोरोना हेल्पडेस्क को 'बुक स्लॉट' लिखकर भेजेंगे तो आपका वैक्सीनेशन स्लॉट बुक हो जाएगा। इसके लिए आपको मोबाइल नंबर 9013151515 पर व्हाट्सएप करना होगा।

अब तक 32 लाख प्रमाणपत्र डाउनलोड हुए

मालूम हो कि इस साल 5 अगस्त को माइगोव और व्हाट्सएप ने उपयोगकर्ताओं के लिए चैटबॉट से टीकाकरण प्रमाणपत्र डाउनलोड करने की व्यवस्था दी थी। अब तक, व्हाट्सएप के जरिये पूरे देश में 32 लाख से अधिक प्रमाणपत्र डाउनलोड किए जा चुके हैं। व्हाट्सएप ने कहा, व्हाट्सएप पर माइगोव कोरोना हेल्पडेस्क मार्च 2020 के बाद से महामारी के दौरान कोविड संबंधी जानकारी के सबसे प्रामाणिक स्रोतों में से एक के रूप में उभरा है। भारत में 4.1 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के लिए सार्वजनिक-स्वास्थ्य संकट से लड़ने में एक अहम साधन के रूप में कार्य किया है।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को मिली जमानत, सीएम ठाकरे को थप्पड़ मारने वाले बयान पर हुई थी गिरफ्तारी

मुंबई। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री और भाजपा नेता नारायण राणे को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को कहे गए अपशब्द के आरोप में हुई है। महाराष्ट्र में भाजपा नेताओं ने राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी से मिलकर राणे की गिरफ्तारी के विरुद्ध उन्हें ज्ञापन सौंपा। इस बीच, मंगलवार देर रात स्थानीय अदालत ने स्वास्थ्य के आधार पर राणे को जमानत दे दी।

बीते सोमवार को जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान राणे ने पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ठाकरे को थप्पड़ मारने की बात कही थी। राणे के इस बयान के बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं द्वारा प्रतिक्रिया व्यक्त की जाने लगी। नासिक, पुणे एवं महाड में उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवा दी गई।

मंगलवार सुबह से ही उनकी गिरफ्तारी की आशंका व्यक्त की जाने लगी थी। नासिक के पुलिस आयुक्त दीपक पांडे ने उनकी गिरफ्तारी के आदेश जारी कर दिए। दोपहर बाद करीब ढाई बजे रत्नागिरी के संगमेश्वर क्षेत्र में राणे को भोजन करते समय ही गिरफ्तार कर लिया गया। शाम होते-होते उन्हें महाड क्षेत्र में लाया गया, जहां उन्होंने विवादित बयान दिया था। उन्हें महाड के सत्र न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई। इससे पहले बांबे हाई कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत की अर्जी विधि सम्मत तरीके से पेश नहीं किए जाने के कारण ठुकरा दी थी।

नासिक में शिवसैनिकों ने भाजपा कार्यालय पर किया पथराव-राणे द्वारा उद्धव के विरुद्ध विवादित बयान दिए जाने के बाद से ही शिवसेना कार्यकर्ताओं द्वारा राज्य में कई जगह उग्र प्रदर्शन शुरू हो गए थे। कई जिलों में शिवसैनिक राणे के पुतले पर चप्पलों से प्रहार करते दिखाई दिए। नासिक में तो उग्र शिवसैनिकों ने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर भी पथराव किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने शिवसैनिकों की हरकतों को कायरता पूर्ण कार्रवाई बताया।

OBC में क्रीमीलेयर पर SC का बड़ा फैसला, कहा- केवल आर्थिक आधार पर तय नहीं हो सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि दाखिले और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लाभ से वंचित करने के लिए पिछड़े वर्गों में 'क्रीमी लेयर' का निर्धारण केवल आर्थिक मानदंड के आधार पर नहीं किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने पिछड़े वर्गों के भीतर 'क्रीमी लेयर' को हटाने के लिए मापदंड निर्धारित करने की हरियाणा सरकार की 17 अगस्त 2016 की अधिसूचना को खारिज करते हुए कहा यह इंदिरा साहनी मामले में इस अदालत द्वारा जारी निर्देशों का सरासर उल्लंघन है। इस मामले को मंडल फैसला के नाम से भी जाना जाता है।

अधिसूचना के अनुसार, पिछड़े वर्ग के सदस्य जिनकी सकल वार्षिक आय तीन लाख रुपये तक है उन्हें सबसे पहले सेवाओं में आरक्षण और शैक्षणिक संस्थानों

अधिसूचना को रद्द करते हुए न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अधिसूचना के आधार पर शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले और राज्य सेवाओं में नियुक्ति में खलल नहीं डाला जाएगा। पीठ में न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस भी थे।

में प्रवेश का लाभ मिलेगा इसमें यह भी प्रावधान था कि कोटा के शेष हिस्से में नागरिकों के पिछड़े वर्ग के उस तबके को लाभ मिलेगा जिनकी वार्षिक आमदनी तीन लाख रुपये से अधिक लेकिन छह लाख से कम है तथा सालाना छह लाख रुपये से अधिक आय वाले को राज्य के कानून के तहत क्रीमी लेयर माना जाएगा।

अधिसूचना को रद्द करते हुए न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अधिसूचना के आधार पर शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले और राज्य सेवाओं में नियुक्ति में खलल नहीं डाला जाएगा। पीठ में न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस भी थे। पीठ ने कहा कि तथ्य यह है कि अधिसूचना केवल आर्थिक मानदंडों के आधार पर जारी की गई थी और इसे रद्द करने के लिए केवल यही पर्याप्त आधार है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को इंदिरा साहनी मामले में अदालत के फैसले के अनुरुप आज से तीन महीने की अवधि के भीतर एक नयी अधिसूचना जारी करने की स्वतंत्रता दी।

मंडल फैसले का व्यापक जिक्र करते हुए निर्णय में कहा गया है कि पिछड़े वर्गों में क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल आर्थिक मानदंड के आधार पर नहीं किया जा सकता है और सामाजिक, आर्थिक तथा अन्य प्रासंगिक कारकों को भी ध्यान में रखना होगा, पिछड़ा वर्ग कल्याण महासभा हरियाणा तथा अन्य द्वारा दाखिल याचिकाओं पर यह फैसला आया। इन याचिकाओं में 17 अगस्त 2016 और 28 अगस्त 2018 को राज्य सरकार द्वारा जारी दो अधिसूचनाओं को रद्द करने का अनुरोध किया गया था।

बढ़ेगी भारत की ताकत, इसी साल मिल सकता है रूस का एस-400 मिसाइल रक्षा सिस्टम

नई दिल्ली। भारत को साल 2023 तक रूस में निर्मित क्रिवाक श्रेणी का पहला जंगी जहाज मिल जाएगा। यूनाइटेड शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन (यूएससी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलेक्सी रखमानोव ने सोमवार को यह भरोसा दिलाया। इसके अलावा भारत को इस साल के आखिर तक रूसी मिसाइल रक्षा सिस्टम एस-400 भी मिलने की उम्मीद है। मॉस्को में आयोजित 'आर्मी-2021' को संबोधित करते हुए रखमानोव ने कहा, 'कोरोना संकट के चलते क्रिवाक श्रेणी के जहाज के निर्माण में कुछ अड़चनें आईं। यह प्रोजेक्ट लगभग आठ महीने पीछे चल रहा है। भारत को 2023 के मध्य तक दो में से एक जहाज सौंप दिया जाएगा।'

रूसी अधिकारी ने बताया कि यानतार बंदरगाह पर जहाज के निर्माण में योगदान देने के लिए भारतीय तकनीशियनों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इससे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में क्रिवाक श्रेणी के दो जंगी जहाज के निर्माण की भावी योजना को साकार करने में मदद मिलेगी।

रखमानोव ने कहा, 'हम चाहते हैं कि भारतीय तकनीशियन जहाज बनते देखें, ताकि वे इसकी तकनीक एवं प्रौद्योगिकी से अच्छी तरह वाकिफ हो सकें। इससे दूसरे चरण के तहत गोवा शिपयार्ड में जहाज का निर्माण आसान हो जाएगा। भारतीय तकनीशियन न सिर्फ कलपुर्जे जोड़ने, बल्कि प्रौद्योगिकी को अंतिम रूप देने में भी सक्षम बन पाएंगे।'

नौसेना के बेड़े में छह जहाज शामिल

-06 क्रिवाक-3 श्रेणी के जंगी जहाज

का ऑर्डर दिया था भारतीय नौसेना ने रूसी कंपनी को

-03 जहाज की आपूर्ति 2003-04 तो तीन अन्य की 2011-12 में हुई, तलवार नाम से सक्रिय

क्या हैं खूबियां

-लंबाई : 405.3 फीट

-चौड़ाई : 46.3 फीट

-ऊंचाई : 15.1 फीट

-रफ्तार : 59 किलोमीटर प्रति घंटे

-9251 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है 26 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से एक बार में

-सबमरीन रोधी रॉकेट, एके-100 बंदूक, टॉरपीडो ट्यूब, एसएसएम और सैम मिसाइलों से लैस

एस-400 मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति इस साल

रूस साल 2021 के अंत तक भारत को एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की आपूर्ति शुरू कर देगा। रूसी कंपनी 'अलमाज-आंते' के सीईओ व्याचेशलव जिरकाल्न ने सोमवार को मॉस्को में आयोजित 'आर्मी-2021' में यह जानकारी दी। जिरकाल्न ने कहा कि एस-400 का निर्माण निर्धारित समय पर आगे बढ़ रहा है। साल के अंत तक भारत को इस मिसाइल रक्षा प्रणाली की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। मौजूदा समय में भारतीय जवानों को एस-400 के संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भारत ने अक्तूबर 2018 में पांच एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणालियों के लिए रूस के साथ 5.43 अरब डॉलर का समझौता किया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हिरासत में मंत्री

मर्यादाएं जब टूटती हैं, तब वे अशोभनीय दृश्य ही रचती हैं। दुर्योग से भारतीय राजनीति में ऐसे दृश्य अब बार-बार उभरने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी भारतीय राजनीति के क्षरण का ताजा उदाहरण है। कल महाराष्ट्र में रत्नागिरी पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। आरोप है कि अपनी जन-आशीर्वाद यात्रा के दौरान उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बारे में अशालीन टिप्पणी की थी, जिसके विरुद्ध शिव सैनिकों में तीखी प्रतिक्रिया हुई और राणे के खिलाफ कई थानों में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई। रत्नागिरी कोर्ट से अग्रिम जमानत की याचिका खारिज होने और बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा त्वरित सुनवाई से इनकार के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही राज्य में कई जगहों पर शिव सेना व भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए और एक तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। विडंबना यह है कि चंद वर्ष पहले तक यही कार्यकर्ता एक-दूसरे के कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव लड़ रहे थे और उनके नेता सत्ता में साथ-साथ भागीदार थे। कुछ ही माह पूर्व मई में कोलकाता में ऐसे ही दृश्य देखने को मिले थे, जब कुछ नवनियुक्त मंत्रियों को सीबीआई ने नारदा स्टिंग ऑपरेशन मामले में हिरासत में लिया था और तब तृणमूल कांग्रेस व भाजपा के नेता-कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए थे। उस समय भी राजनीतिक बदले के आरोपों-प्रत्यारोपों ने ऐसा कटु माहौल बनाया, जिससे जांच एजेंसियों की प्रतिष्ठा तो धूमिल हुई ही, आज तक केंद्र व पश्चिम बंगाल सरकार के रिश्ते सहज नहीं हुए हैं, संघवाद की आदर्श कल्पना से तो खैर कोसों दूर हैं। सियासी प्रतिद्वंद्वियों से राजनीतिक स्तर पर निपटने के बजाय उन्हें कानूनी रूप से घेरने का चलन नया नहीं है, और इसके लिए तंत्र का बेजा इस्तेमाल भी दशकों से होता रहा है, पर हमारे राजनेता एक-दूसरे के खिलाफ यूं अभद्र भाषा का इस्तेमाल सार्वजनिक रूप से नहीं करते थे। समाज इसे अच्छी नजरों से नहीं देखता था। शायद इसीलिए तीखे राजनीतिक विरोध के बावजूद उनके निजी रिश्ते बने रहते और इस कारण संसदीय प्रक्रियाओं का निबाह भी आसानी से हो जाता था, बल्कि सामाजिक स्तर पर राजनीतिक खेमेबाजी की कटुता भी नहीं आ पाती थी। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति की यह खूबी तेजी से खत्म हुई है और इसके लिए हमारा पूरा राजनीतिक वर्ग जिम्मेदार है। नारायण राणे शिव सेना, कांग्रेस और भाजपा, सभी पार्टियों में रह चुके हैं। ऐसे में, उनसे अधिक परिपक्वता की अपेक्षा की जाती है। फिर वह स्वयं एक सांविधानिक पद पर हैं, अत- दूसरे सांविधानिक पद की गरिमा का उन्हें हर हाल में बचाव करना चाहिए। सवाल यह भी है कि बयानों के आधार पर यदि मुकदमे दर्ज किए जाने लगे और गिरफ्तारियां होने लगीं, तो कितने सारे विधायक, सांसद और मंत्री जेल में होंगे? निस्संदेह, एक आदर्श संघीय ढांचे के लिए जरूरी है कि पार्टी नेतृत्व अपने-अपने बड़बोले नेताओं पर नजर रखें। विडंबना यह है कि सभी दल ऐसे तत्वों को पुरस्कृत करने की भूमिका अपनाने लगे हैं। ऐसे में, उद्दंड कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता जाता है, जो देश के राजनीतिक परिदृश्य के लिए संकट की बात है। राजनीतिक बदले व प्रतिशोध की कार्रवाइयों से देश का संघीय ढांचा कमजोर हो रहा है, यह बात हमारी राजनीतिक पार्टियां जितनी जल्दी समझ लें, उतना ही अच्छा होगा।

कोरोना काल में भी किसान नवप्रवर्तन के लिए उत्सुक

- अरुण जिंदल

कोरोना महामारी के समय इंसानी मौत और त्रासदी की ख़बरों के बीच कुछ ऐसी सकारात्मक ख़बरें भी देखने को मिली हैं, जिसने लोगों को प्रेरणा दी है। विशेषकर खेती के क्षेत्र में ऐसी ख़बरें प्रगति का एहसास कराती हैं। इस दौर में जहां आम आदमी घर से निकलने में डर रहा था तथा सरकार भी घर पर रहने के बारे में बार-बार निर्देश जारी कर रही थी, वहीँ उत्सुक और प्रगतिशील किसान अपनी आय बढ़ाने की नई योजना बनाने के साथ तेज गर्मी के मौसम में भी लगातार मेहनत कर रहे थे। जिसका प्रभाव यह रहा कि खेती के क्षेत्र में भी नए नए प्रयोग के साथ कुछ नए परिणाम देखने को मिले हैं। ऐसा ही एक नवप्रवर्तन राजस्थान के धौलपुर जिला स्थित बसेड़ी तहसील के बनोरा गांव के रामेश्वर शर्मा ने किया है। जिन्होंने कोरोना और गर्मियों के कहर के बीच कृषि में आय के नए साधन तैयार किया है। रामेश्वर शर्मा पूर्व में बनोरा ग्राम पंचायत, जिला धौलपुर के सरपंच रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह एवं क्षेत्र के अन्य किसान अभी अपने खेतों में सिर्फ आलू की फसल ही बोते थे। जिसके तैयार होने में 6 माह का समय लगता था, इसके अलावा कोई और फसल वह पैदा नहीं करते थे। ऐसे में बाकी के महीनों में उनके खेत खाली पड़े रहते थे। लेकिन पिछले वर्ष करौली धौलपुर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी, बसेड़ी (केडीआईडी) के कुछ उद्यमी उनके पास आए और उन्हें आलू के बाद खाली पड़े खेत में सब्जियों व फलों को उगाने के लिए प्रेरित किया। पहले उन्हें बहुत शंका थी कि गर्मियों में सब्जियां एवं फल कैसे पैदा होंगे? इसके लिए क्या प्रक्रिया अपनानी होगी और उनका बाजार में विक्रय कैसे किया जाएगा? क्योंकि सब्जी कच्ची पैदावार होती है और उसे तोड़कर जल्द नहीं बेचा जाये तो कीमत कम हो जाती है और सब्जी व फल जल्दी खराब भी हो जाती है। रामेश्वर शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व उन्होंने आलू के अतिरिक्त दूसरी सब्ज़ियों की फसल उत्पन्न करने व् उसकी बिक्री का कार्य नहीं किया था। लेकिन केडीआईडी के निदेशक प्रदीप बंसल ने उनसे मुलाकात कर उनकी सारी शंकाओं को दूर कर दिया। श्री बंसल ने जैविक सब्जी व फल उत्पादन के लिए उन्हें बीज व पौधों की उपलब्ध कराने, उसके बोने व उत्पादन के जैविक तरीके सिखाने तथा जरूरत पड़ने पर जैविक दवाइयां उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने न केवल उन्हें इस तरह की फसलें उगाने के लिए प्रेरित किया बल्कि किसी भी प्रकार के घाटे में भी हिस्सेदारी लेने की बात कही। संस्थान व किसान के मध्य यह भी तय हुआ कि सारी लागत संस्थान की होगी जबकि मुनाफे की सूरत में दोनों का आधा-आधा हिस्सा होगा। रामेश्वर शर्मा ने इस बात को स्वीकार करते हुए अपने पांच बीघा जमीन में सब्जियां एवं फल उगाने का निश्चय किया। उनकी यह पहल रंग लाई और न केवल खेतों में क्रांतिकारी बदलाव आया बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी लाभ हुआ। इस परिणाम से गांव के अन्य किसान भी प्रभावित हुए। इसे पूरे क्षेत्र में एक नई पहल के रूप मे देखकर गांव के 8-10 किसान भी आगे आये और खेती की इस नई पद्धति को अपनाने के लिए तैयार हो गए। उन सभी किसानों ने रामेश्वर की तरह ही अपने खेतों में फसल तैयार करने की शर्त के साथ काम शुरू कर दिया। रामेश्वर शर्मा ने बताया कि अभी उन्होंने अपने खेत में टमाटर, पपीता, मिर्ची, बैंगन, खीरा, कद्दू, लौकी की फसल बोई है। शुरू में फसल की रफ्तार कम बढ़ने से उन्हें लगा कि सब्जियों में कोई फायदा नहीं है बल्कि नुकसान है। लेकिन संस्थान के कार्मिक लगातार उनके खेत पर जाते रहे और उन्हें हिम्मत बंधाते रहे कि फसल का अच्छा उत्पादन होगा। 15 दिन बाद जब पपीता, टमाटर और अन्य पौधे बड़े होने लगे तो उन्हें विश्वास हुआ कि अब उनकी सब्जी की फसल आ जाएगी और उनके द्वारा अपना खेत के अंदर सब्जी की फसल उगाने का फैसला सही साबित होगा। इस नई पद्धति के माध्यम से आर्थिक लाभ कमाने के बाद भविष्य की योजना साझा करते हुए रामेश्वर शर्मा ने कहा कि अब वह रुकेंगे नहीं, बल्कि उनकी तरह अन्य किसान भी सब्जियां पैदा करेंगे। अभी तो यह सोच रहे हैं कि उनकी आलू की फसल जो वह पैदा करते हैं उसकी बुवाई करने से पहले सब्जियां आ जाये ताकि वह आलू की फसल की भी बुवाई कर अपनी आमदनी दोगुनी कर सकें। कोरोना काल में जबकि हर तरफ लॉकडाउन होने के कारण लोगों को आर्थिक रूप से घाटा हो रहा था, ऐसे समय में यह नई तरह कास्टार्टअप किसानों के लिए उम्मीद के नए रास्ते लेकर आया। अब रामेश्वर और उनके साथी किसानों की देखा देखी गांव के अन्य किसान भी संस्थान के कर्मियों से सब्जियों व फलों के पौधे लेने की बात करते हैं। हालांकि संस्थान ने अभी उन नए किसानों से प्रतीक्षा करने के लिए कहा है ताकि वह पहले इन किसानों के फसल का उत्पादन देखें और फिर अगले सीजन में सब्जी व फलों के पौधे प्राप्त करने के लिए उनसे जुड़ें। इस संबंध में संस्थान के निदेशक प्रदीप बंसल ने बताया कि उनका संस्थान सभी किसानों की मार्केटिंग में मदद करेगा और उनकी उपज आने के बाद वह स्वयं बाजार भाव से इनकी फसल खरीद लेंगे ताकि किसान को यह विश्वास हो जाए कि उन्होंने जो फसल उगाई गई है वह बिक जाएगी। इसी प्रकार संस्थान इन किसानों को ऑर्गेनिक फार्मिंग की ओर भी ले जाने की योजना बना रहा है ताकि उपभोक्ताओं को उच्च क्वालिटी का उत्पाद मिल सके। वहीं किसान रामेश्वर शर्मा अब इस उम्मीद में है कि कितनी जल्दी फसल आए और वह यह देख सकें कि उन्हें कितना मुनाफा मिलता है। उनका मानना है कि सब्जी व फल की अच्छी उत्पादन होने से यह प्रक्रिया सही रहती है और उन्हें लाभदायक लगती है, तो वह आगे सोलरपंप लगाने और खेत के सुरक्षा के लिए तार दीवार लगा कर सुरक्षा करने की भी योजना बना रहे हैं। संस्थान ने उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने व उसकी प्रक्रिया में सहयोग करने का न केवल आश्वासन दिया है बल्कि उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ भी रहे हैं। उल्लेखनीय है कि रामेश्वर शर्मा पूर्व में 15-20 साल पहले इस क्षेत्र में आलू बोने वाले पहले किसान थे और अभी क्षेत्र और जिले के हजारों किसान भारी मात्रा में आलू की फसल उगाते हैं और उसे बेच कर आर्थिक रूप से मज़बूत होते रहे हैं। अभी धौलपुर जिले में आलू के उत्पादन शुरू होने के बाद उनके स्टोरेज के लिए कई नए कोल्ड स्टोरेज तैयार हो गए हैं जहां पर आलू को रख कर अच्छा मूल्य आने पर बेचा जाता है और पूरे देश में भेजा जाता है। लेकिन अब नए प्रकार के फसल से जुड़ कर किसान न केवल स्वयं आर्थिक रूप से और भी सशक्त हो रहे हैं बल्कि इस प्रक्रिया से पूरे क्षेत्र में सब्ज़ी और फलों की कमियां भी दूर होने लगेंगी। यानि रेगिस्तान के किसान नवप्रवर्तन से क्षेत्र की दशा और दिशा दोनों को बदलने में सक्षम हो रहे हैं और खेती में आमदनी के नए साधन के साथ नया इतिहास लिख रहे हैं।

'आज के ट्वीट

लक्ष्य

'जब तक तू लक्ष्य देख नहीं सकता है, तब तक तू लक्ष्य भेद नहीं सकता है।'

-- विवेक बिन्द्रा

ज्ञान गंगा

संभावना

जग्गी वासुदेव

डायोजनेस एक अद्भुत एवं आनंद में मतवाले रहने वाले भिक्षुक थे, वे ग्रीस में एक नदी किनारे रहते थे। किसी ने उन्हें एक सुंदर भिक्षापात्र दिया था और वे सिर्फ एक लंगोट पहनते थे। वे मंदिरों के द्वारों पर भिक्षा मांगते थे और जो भोजन उन्हें मिलता था, वही खाते थे। एक दिन, वे अपना भोजन खत्म करके नदी की ओर जा रहे थे, तभी एक कुत्ता उनसे आगे निकला और दौड़कर नदी में गया, थोड़ा तैरा, फिर रेत पर आया और खुशी से लोटने लगा। उन्होंने यह देखा और सोचने लगे, 'हे भगवान! मेरी जिन्दगी तो कुत्ते से भी बदतर है'! वे पहले ही आनंदित थे, मगर वे कह रहे थे कि उनका जीवन कुत्ते से भी बदतर है क्योंकि कई बार उन्हें लगता था कि वे बस नदी में कूद जाएं पर उन्हें अपने लंगोट के भीग जाने और भिक्षापात्र के खो जाने की चिंता सताए रहती थी। उस दिन उन्होंने अपना भिक्षापात्र और लंगोट फेंक दिया और पूरी तरह नग्न अवस्था में रहने लगे। एक दिन, जब वे आनंदित अवस्था में नदी किनारे लेटे हुए थे, तभी सकिंदर उधर से गुजरा। सकिंदर को 'सकिंदर महान' कहा जाता है। मैं उसको एक तीसरा नाम देना चाहूंगा 'सकिंदर महामूर्ख'। क्योंकि वह ऐसा शख्स था जिसने जीवन को बर्बाद किया-अपना भी और दूसरे लोगों का भी। उसने सोलह साल की उम्र में युद्ध करना शुरू कर दिया था। अगले सोलह साल तक वह बिना रु के लगातार लड़ता रहा, और इस दौरान रास्ते में आने वाले हजारों लोगों का कत्ल करता चला गया। बत्तीस साल की उम्र में वह बहुत दयनीय हालत में मरा क्योंकि वह सिर्फ आधी दुनिया को जीत पाया था, बाकी आधी दुनिया अब भी बची थी। सिर्फ एक महामूर्ख ही इस तरह सोलह साल तक लड़ सकता है। इतिहास की किताबों ने हमेशा बताया है कि सकिंदर बहुत साहसी था। फिर भी सकिंदर ने स्वीकार किया कि उसमें वह करने का साहस नहीं था जो डायोजनेस कर रहे थे। तो सकिंदर ने जवाब दिया, 'मैं अगले जन्म में तुम्हारे साथ आऊंगा'। उसने अगले जन्म तक के लिए उसे टाल दिया। अगले जन्म में, कौन जानता है कि वह क्या बना हो सकता है। कहीं वह कॉकरोच बन गया हो। आप इंसान के रूप में एक संभावना के साथ आए हैं। अगर आप उसे गंवा दें और सोचें कि आप अगली बार उसे कर लेंगे, तो अगली बार आखिर, किसने देखा है?

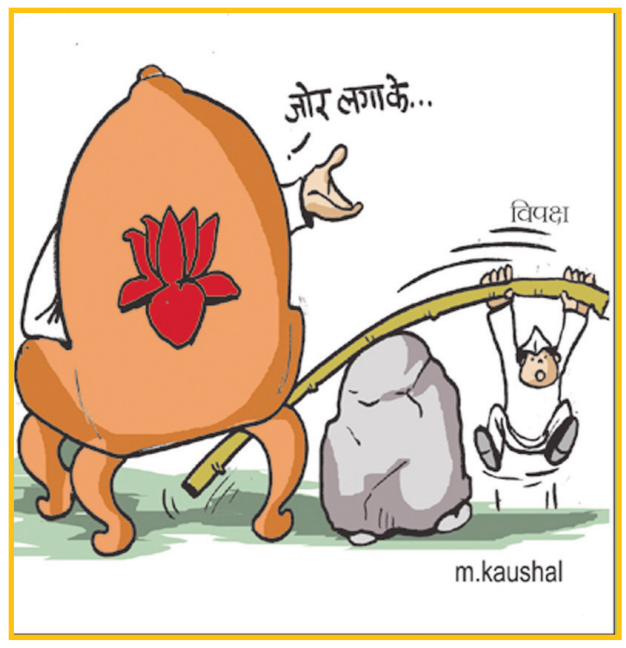

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वर्तमान दौर में शरीया क़ानून की प्रासंगिकता ?

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

अफ़ग़ानिस्तान की राजधानी काबुल पर गत 15 अगस्त को क्रूर तालिबानों के बलात क़ब्ज़े के बाद उनके द्वारा एक बार फिर यह घोषणा की गयी है कि अफ़ग़ानिस्तान में शरीया क़ानून लागू किया जायेगा। इस्लामी शरीयत (क़ायदे/क़ानूनों) की नीतियों के अनुसार चलने वाली व्यवस्था को आम तौर पर शरीया या शरीया क़ानून कहा जाता है। दूसरे शब्दों में शरिया क़ानून इस्लाम की उस क़ानूनी व्यवस्था का नाम है जिसे इस्लाम की सबसे प्रमुख व पवित्र पुस्तक क़ुरआन शरीफ़ व इस्लामी विद्वानों के फ़तवों, उनके निर्णयों या इन सभी को संयुक्त रूप से मिलाकर तैयार किया गया है। इस समय दुनिया के जिन मुस्लिम बाहुल्य देशों में शरीया क़ानून पूर्ण अथवा आंशिक रूप से प्रभावी हैं उनमें ईरान,पाकिस्तान,मिस्र (इजिप्ट),इंडोनेशिया,इराक़ ,सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब एमिरेट्स, क़तर, मलेशिया, यमन, मालदीव्ज़,मॉरिटेनिया,नाइजीरिया तथा अफ़ग़ानिस्तान जैसे देश शामिल हैं। कुछ अन्य देशों में शरीया क़ानून लागू करने की मांग हो रही है जबकि सूडान जैसे अफ़्रीक़ी देश जहाँ गत तीस वर्षों तक इस्लामी शासन था उसने शरीया क़ानून को समाप्त कर दिया है तथा पुनः लोकतान्त्रिक देश के रूप में स्थापित होने के लिए प्रयासरत है। जबकि पहले सूडान में इस्लामिक शरीया क़ानून के तहत इस्लाम को त्यागने पर मौत की सजा भी हो सकती थी। हालाँकि उदारवादी मुस्लिम चिंतकों का एक वर्ग यह मानता है कि धर्मत्याग के लिए दंड दिया जाना अल्लाह पर ही छोड़ देना चाहिए। क्योंकि धर्म त्याग से इस्लाम को कोई ख़तरा नहीं है। क़ुरआनी आयत 'लकुम दीनकुम वाले दीन ' जहाँ 'हमें हमारा दीन मुबारक तुम्हें तुम्हारा दीन मुबारक' का सन्देश देकर प्रत्येक धर्मों के सम्मान का सन्देश देता है वहीं क़ुरआन ही स्वयं यह घोषणा भी करता है कि धर्म में 'कोई बाध्यता नहीं' होती। ऐसे में तालिबानी शरीया क़ानून और तालिबानी लड़ाकों की रक्तरंजित कार्रवाइयां,उनके ज़ुल्म व बर्बरता,उनकी दक़ियानूसी ग़ैर इन्सानी सोच,अफ़ग़ानी राष्ट्रवाद की आड़ में शरीया क़ानून के नाम पर उनके द्वारा फैलायी जा रही हिंसा व अराजकता,निहत्थे लोगों को क़त्ल करना,महिलाओं को तीसरे दर्जे का प्राणी समझ उनपर ज़ुल्म ढाना,शिक्षा और विकास और आधुनिकता का विरोध करना क्या यही शरिया क़ानून की परिभाषा है? या तालिबान शरीया के नाम पर कट्टर मुल्लाओं द्वारा निर्मित अपना पूर्वाग्रही क़ानून अफ़ग़ानिस्तान पर थोपना चाह रहा है ? केवल इस्लाम ही नहीं बल्कि अन्य कई धर्मों के रूढ़िवादी लोग भी पश्चिमी संस्कृति व सभ्यता का विरोध करते दिखाई देते हैं। इनका विरोध ख़ास तौर पर पश्चिमी लिबास और भाषा को लेकर होता है। यह शक्तियां पश्चिमी खुलेपन को पसंद नहीं करतीं। परन्तु यह भी सच है कि आज पश्चिमी देशों की तरक़्क़ी का रहस्य भी इनका वही खुलापन, वही लिबास व भाषा है जिसका सदुपयोग पूरी दुनिया कर रही है। स्वयं पश्चिमी संस्कृति व सभ्यता का विरोध करने वाले रूढ़िवादी लोग भी। जबकि इसी तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि दुनिया के जो भी देश जितने ही धार्मिक रूढ़िवादिता के शिकार हैं वे उतना ही अधिक पीछे भी हैं। उदाहरण के तौर पर शरीया के अनुसार सूद-ब्याज़ आधारित व्यवसाय ग़ैर शरई है। जनवरी 2018 में भारत के प्रमुख इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम,देवबंद ने अपने एक फ़तवे में बैंक की नौकरी से रोज़ी रोटी चलाने वाले घरों से शादी का रिश्ता जोड़ने से परहेज़ करने का निर्देश दिया था। क्योंकि वह उस संस्थान में काम करके अपनी रोज़ी कमाता है जो सूद-ब्याज़ के धंधे में शामिल है। यह तो है शरिया का मंतव्य। शरीया निर्देश संबंधी इसी एक विषय पर विरोधाभास पैदा करने वाला सबसे बड़ा उदाहरण देखिये। जिस समय भारत को गुलामी की ज़ंजीरों से मुक्त कराने के लिये स्वदेशी आंदोलन चलाया गया उस समय देश ने अपने स्वदेशी बैंक की ज़रुरत भी महसूस की। उस समय प्रखर राष्ट्रवादी हाजी अब्दुल्लाह क़ासिम साहब बहादुर ने 12 मार्च 1906 को कारपोरेशन बैंक की बुनियाद रखी। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है की हाजी अब्दुल्लाह क़ासिम साहब, हाजी भी थे और उनके व्यवसाय से ज़ाहिर है कि वे पूर्ण रूप से शिक्षित भी थे। दुनिया में जहाँ भी कॉरपोरेशन बैंक की शाखायें हैं हर जगह कारपोरेशन बैंक कर्मचारी बैंक के संस्थापक हाजी अब्दुल्लाह क़ासिम साहब बहादुर के चित्र पर माल्यार्पण करते हैं तथा उनके समक्ष पूरी श्रद्धा से नत मस्तक भी होते हैं। इस उपरोक्त पूरे प्रकरण में शरीया सही है या हाजी अब्दुल्लाह क़ासिम साहब बहादुर द्वारा बैंक की स्थापना किया जाना ? दुनिया में मुस्लिमों द्वारा और भी अनेक बैंक स्थापित किये गए हैं। क्या आज अफ़ग़ानिस्तान या कोई भी शरीया का पाबंद देश अपनी शर्तों पर वर्ल्ड बैंक अथवा आई एम एफ़ के साथ लेनदेन कर सकता है ?आज शरीया के न जाने कितने स्वयंभू पैरोकारों ख़ास कर तेल उत्पादक देशों के अमीरों के पैसे पश्चिमी देशों के अनेक बैंकों में पड़े हैं और वे उनके ब्याज़ के पैसों से ऐश फ़रमा रहे हैं। अफ़ग़ानी तालिबानों का स्वगढ़ित शरीया क़ानून वैसे भी कई तरह से ग़ैर शरई व ग़ैर इस्लामी ही नहीं बल्कि ग़ैर इन्सानी (अमानवीय) भी है। क्योंकि इसमें वह असहिष्णुता व बर्बरता है जिसकी शरीया या इस्लाम में कोई गुंजाईश ही नहीं है। महिलाओं पर ज़ुल्म ढहाना,स्कूलों को ध्वस्त करना,उनमें आग लगाना,छोटी मासूम बच्चियों व बच्चों को क़त्ल करना,बेगुनाह लोगों की हत्याएं करना, देश की संपत्ति को नुक़सान पहुँचाना,अफ़ीम के कारोबार में शामिल रहना,शिक्षा से दूरी रखना और जाहिलों व जहालत को गले लगाना,दूसरे धर्म व समुदाय के लोगों की हत्याएं करना व उनके धर्मस्थलों को क्षतिग्रस्त करना, धार्मिक व सामाजिक आज़ादी ख़त्म करना आदि सब तालिबानी शरीया के उदाहरण हैं। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल के हवाले से प्राप्त समाचारों के मुताबिक़ तालिबान ने ग़ज़नी प्रांत में हज़ारा समुदाय के लोगों का बड़ी संख्या में क़त्ल किया है। ग़ज़नी प्रांत में हुई ये घटना मालिस्तान में 4 से 6 जुलाई के मध्य हुई जिसमें दर्जनों हज़ारा/शिया पुरुषों की हत्या कर दी गयी। अपने राजनैतिक व वैचारिक विरोधियों के घरों की तलाशी लेकर उनके परिवार के लोगों को मारा जा रहा है। गत सप्ताह में ही अब तक कई विदेशी नागरिक,तालिबानों के हाथों मारे जा चुके हैं। निःसंदेह 'तालिबानी कारगुज़ारियां' वर्तमान दौर में किसी भी शांतिप्रिय प्रगतिशील व उदारवादी समाज को स्वीकार्य नहीं हैं। ऐसे में तालिबानों द्वारा थोपे जा रहे शरीया क़ानून कीवर्तमान दौर में कोई प्रासंगिकता नज़र नहीं आती।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एचपी ने भारत में स्पेक्टर एक्स360 14 कन्वर्टिबल लैपटॉप किया लॉन्च

नई दिल्ली। एचपी ने बुधवार को भारतीय बाजार में नया एचपी स्पेक्टर एक्स360 14 कन्वर्टिबल लैपटॉप पेश किया। लैपटॉप एचपी वर्ल्ड स्टोर्स और ऑनलाइन स्टोर डॉट एचपी डॉट कोम, एमाजॉन और अन्य बड़े फॉर्मेट के रिटेल स्टोर्स पर 11,9999 रुपये की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है। विक्रम बेदी, वरिष्ठ निदेशक, पर्सनल सिस्टम, एचपी इंडिया, ने एक बयान में कहा, नया एचपी स्पेक्टर एक्स360 14 आधुनिक हाइपरकनेक्टेड उपभोक्ताओं के लिए है जो प्रौद्योगिकी के साथ और अधिक करना चाहते हैं। हमारे सबसे शक्तिशाली स्पेक्टर के लॉन्च के साथ जो दुनिया का पहला 3ः2 विंडोज कन्वर्टिबल प्रदान करता है, हम जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने प्रीमियम पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं। अगली पीढ़ी जो चलते-फिरते सामग्री बनाती है। डिवाइस 11वीं पीढ़ी के इंटेल कोर प्रोसेसर, 16 जीबी रैम,1 टीबी एसएसडी और इंटेल एक्सई ग्राफिक्स द्वारा संचालित है। यह डिवाइस थंडरबोल्ट 4 को 40जीबीपीएस तक की फास्ट सिग्नलिंग डेटा दरों को सेकंड में वीडियो, फोटो और मूवी जैसी बड़ी फाइल भेजने और प्राप्त करने का समर्थन करता है। लैपटॉप का वजन 1.36एम केजी है और यह 17 घंटे तक की बैटरी लाइफ के साथ आता है। स्पेक्टर एक्स360 14 का लक्ष्य वाई-फाई 6 और ब्लूटूथ 5.0 समर्थन के साथ 3एक्स तेज कनेक्शन गति प्रदान करना है। एचपी के क्विकड्रॉप का उद्देश्य त्वरित संपादन और साझा करने के लिए पीसी और मोबाइल डिवाइस के बीच फोटो और वीडियो, दस्तावेज या टेक्स्ट को स्थानांतरित करने के लिए तेज,आसान और सुरक्षित समाधान प्रदान करना है। एक सुरक्षित अनुभव प्रदान करने के लिए, लैपटॉप में डिजिटल रूप से नियंत्रित भौतिक शटर, म्यूट माइक और एचपी श्योर व्यू रिफ्लेक्ट के साथ एक वेब कैमरा है।

बिट क्वाइन में तेजी से भारतीय निवेशकों में लौटा विश्वास, बढ़ाया निवेश

नई दिल्ली । पिछले रविवार क्रिप्टो करेंसी के भाव में तेजी देखी गई और बिटकॉइन का भाव 50,000 के पार चला गया। इसके बाद देशभर के क्रिप्टो करेंसी निवेशकों की बांछें खिल गई है। भारत में युवा फिर से क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने में दिलचस्पी लेने लगे हैं। सोमवार और मंगलवार को भारत के क्रिप्टो एक्सचेंज और विदेशी क्रिप्टो एक्सचेंज में भारतीय निवेशकों के ट्रेडिंग वॉल्यूम में काफी तेजी दर्ज की गई है। अधिकतर मामलों में क्रिप्टो ट्रेडिंग वॉल्यूम में 50 से 100 फ़ीसदी की तेजी दर्ज की गई है। क्रिप्टो करेंसी में भारत के निवेशकों की ताजा स्थिति यह है कि वह सिर्फ बिटकॉइन पर ही दांव खेलने में नहीं जुटे हैं। भारतीय निवेशक अब अन्य क्रिप्टोकरेंसी में भी निवेश कर रहे हैं। इसके साथ ही बहुत से यूजर अब क्रिप्टो ट्रेडिंग में वापस लौट रहे हैं। क्रिप्टो करेंसी के भाव में कमजोरी आने के बाद इन निवेशकों ने क्रिप्टो ट्रेडिंग से दूरी बना ली थी, अब वे दोबारा ट्रेडिंग करने लगे हैं। क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग एक्सचेंज बाय पॉइंट के सीईओ शिवम ठकराल ने कहा अगर हम भारतीय निवेशकों की बात करें तो खरीदारी में पिछले कुछ दिनों की तुलना में 3 गुना तेजी आई है, जबकि क्रिप्टो करेंसी की बिकवाली के मामले में 2 गुना तक तेजी दर्ज की गई है। क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग एक्सचेंज भी इस बात को नहीं समझ पा रहे हैं कि क्रिप्टो ट्रेडिंग में अचानक तेजी क्यों दर्ज की गई है। क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज वजीरएक्स के सीईओ निश्छल शेट्टी ने कहा क्रिप्टो ट्रेडिंग वॉल्यूम बढ़ने की कोई एक वजह बताना अभी संभव नहीं है। पिछले कुछ दिनों में क्रिप्टो ट्रेडिंग वॉल्यूम बढ़ा है और इसके पीछे कई फैक्टर काम कर सकते हैं। शेट्टी ने कहा हमारा क्रिप्टो ट्रेडिंग का रोजाना का औसत वॉल्यूम 10 करोड़ से बढ़कर 30 करोड़ पर पहुंच गया है। 23 अगस्त को 24 घंटे में ट्रेडिंग वॉल्यूम 10 करोड़ रहा है। पिछले हफ्ते हालांकि औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम 30 करोड़ को पार कर गया था। इस साल अप्रैल में बिटकॉइन का भाव आल टाइम हाई पर पहुंचकर 64000 पर पहुंच गया।

निर्मला सीतारमण ने एनएमपी पर राहुल को दिया जवाब : कुछ भी नहीं बेचा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) की कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आलोचना किए जाने का जवाब देते हुए, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि सरकार संपत्ति मुद्रीकरण योजना के तहत किसी को संपत्ति का स्वामित्व नहीं देगी और कुछ भी बेचने नहीं जा रही है। सीतारमण ने बुधवार को मुंबई में मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा की गई मुद्रीकरण प्रक्रियाओं का हवाला देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा, इस पर आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) किसने कहा? क्या यह अब जीजाजी के स्वामित्व में है! उन्होंने कहा, हम नहीं बेच रहे हैं, सख्त वापसी होगी।सरकार द्वारा 6 लाख करोड़ रुपये की राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) का अनावरण किए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनकी पार्टी द्वारा पिछले 70 साल में निर्मित क्राउन ज्वेल संपत्ति बेचने की प्रक्रिया लाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि कांग्रेस निजीकरण प्रक्रिया का विरोध नहीं कर रही है, लेकिन पूरे एनएमपी को एकाधिकार बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। पूर्व वित्तमंत्री पी. चिदंबरम के साथ पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा था, प्रधानमंत्री और भाजपा ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले 70 वर्षों में कुछ नहीं किया है। यहां उन सभी संपत्तियों की सूची है, जिनके निर्माण में कांग्रेस ने जनता के पैसे का उपयोग कर मदद की है।

'एक जिला-एक उत्पाद' को बढ़ावा देने के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम करें बैंकः सीतारमण

मुंबई । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 'एक जिला- एक उत्पाद' को बढ़ावा देने के लिए बैंकों से राज्यों के साथ मिलकर काम करने को कहा गया है। सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कहा कि वे निर्यातकों के संगठनों से बातचीत करें और उनकी जरूरतों को समझें। उन्होंने 'एक जिला, एक उत्पाद निर्यात' एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए बैंकों से राज्यों के साथ मिलकर काम करने को कहा। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने महामारी के बावजूद अच्छा काम किया और इस दौरान वह रिजर्व बैंक की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई से बाहर निकले हैं। वित्त मंत्री सीतारमण ने बैंकों से वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र को समर्थन देने को भी कहा। बैठक में बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन और महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था के समर्थन में उनकी तरफ से उठाये गये कदमों की समीक्षा की गई। एक सवाल के जवाब में सीतारमण ने कहा कि क्या राहुल गांधी मौद्रिकरण के बारे में जानते हैं। उन्होंने पलटवार करते हुये कहा कि कांग्रेस की सरकार में देश के संसाधनों को बेचने का काम हुआ है।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने के लक्ष्य को 5 साल घटाकर 2025 तक किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी) ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए पिछले सप्ताह एस्पायर के अपने प्रौद्योगिकी मंच के माध्यम से ज्ञान साझा करने वाले दो दिवसीय %एथेनॉल अर्थव्यवस्था% वेबिनार का आयोजन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ÷भारत में वर्ष 2020-2025 के दौरान एथेनॉल सम्मिश्रण से संबंधित योजना पर एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट÷ जारी की थी। भारत और विश्व के तमाम विशेषज्ञ जो एथेनॉल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए वाहनों तथा बुनियादी ढांचे के विकास पर काम कर रहे हैं, उन सब ने इस वेबिनार में अपने अनुभवों को साझा किया और उन अवसरों तथा चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जो एथेनॉल मिश्रित ईंधन बनाने के लिए प्रौद्योगिकियों को अपनाने एवं विकसित करने के दौरान आ सकती हैं। इसके अलावा भारत में ईबीपी ईंधन को सुचारू रूप से अपनाने के लिए विचारों, नए प्रस्तावों व नए सुझावों पर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि आयात पर निर्भरता घटाने के लिए पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने के लक्ष्य को 5 साल घटाकर 2025 तक कर दिया है। पेट्रोल को एथेनॉल के साथ मिलाने से आयात पर निर्भरता काफी कम होगी। भारत सरकार 41,000 करोड़ रुपये तक के निवेश की उम्मीद कर रही है, जिससे भारत को 2022 तक 10 प्रतिशत और 2025 तक 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। एस्पायर गवर्निंग बोर्ड के सदस्य सचिव और आईसीएटी के निदेशक श्री दिनेश त्यागी ने इस वेबिनार का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में, उन्होंने भारत के लिए ऊर्जा स्वतंत्रता और स्थिरता को देखते हुए एथेनॉल आधारित अर्थव्यवस्था को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सरकार ने गन्ना किसानों के लिए 290 रुपये प्रति क्विंटल की एफआरपी को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को चीनी सीजन 2021-22 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए 290 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 10 फीसदी की रिकवरी के आधार पर मंजूरी दे दी। कैबिनेट की विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सीसीईए की बैठक में निर्णय लिया गया कि 290 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 10 प्रतिशत से अधिक की वसूली में प्रत्येक 0.1 प्रतिशत की वृद्धि और एफआरपी में 2.90 रुपये प्रति क्विंटल की कमी के लिए 2.90 रुपये प्रति क्विंटल का प्रीमियम रिकवरी में हर 0.1 फीसदी की कमी के लिए दिया जाएगा। कहा गया है, किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार के सक्रिय दृष्टिकोण को चीनी मिलों के मामले में कोई कटौती नहीं करने के निर्णय में भी देखा जाता है, जहां वसूली 9.5 प्रतिशत से कम है। ऐसे किसानों को आगामी चीनी सीजन 2021-22 मौजूदा चीनी सीजन 2020-21 में 270.75 रुपये प्रति क्विंटल के स्थान पर गन्ने के लिए 275.50 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा। चीनी सीजन 2021-22 के लिए गन्ने की उत्पादन लागत 155 रुपये प्रति क्विंटल है। 10 प्रतिशत की वसूली दर पर 290 रुपये प्रति क्विंटल का यह एफआरपी उत्पादन लागत से 87.1 प्रतिशत अधिक है, जिससे किसानों को उनकी लागत पर 50 प्रतिशत से अधिक का लाभ मिल रहा है। चीनी मिलों ने 2020-21 के मौजूदा चीनी सीजन में 91,000 करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 2,976 लाख टन गन्ना खरीदा है, जो कि फसल के लिए अब तक का सबसे उच्च स्तर है और एमएसपी पर धान की खरीद के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा स्तर है। आगामी चीनी सीजन 2021-22 में गन्ने के उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चीनी मिलों द्वारा लगभग 3,088 लाख टन गन्ना खरीदे जाने की संभावना है। गन्ना किसानों को कुल प्रेषण लगभग 1,00,000 करोड़ रुपये होगा। एफआरपी का निर्धारण कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर और राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श के बाद किया गया है। पिछले तीन चीनी मौसमों - 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में लगभग 6.2 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी), 38 एलएमटी और 59.60 एलएमटी चीनी का निर्यात किया गया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मौजूदा चीनी सीजन 2020-21 में, 60 एलएमटी के निर्यात लक्ष्य के मुकाबले, लगभग 70 एलएमटी के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और 55 एलएमटी से अधिक का भौतिक रूप से देश से निर्यात किया गया है, जैसा कि 23 अगस्त को जारी किया गया था।

ऑनलाइन गेमिंग पर एक प्रगतिशील कानून बनाने का समय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तमिलनाडु सरकार ने नवंबर 2020 में, विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में, ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने वाला एक अध्यादेश पारित करने का फैसला किया था। इस फैसले के बाद इससे संबंधित अध्यादेश ने सभी ऑनलाइन खेलों पर प्रतिबंध लगा दिया, यहां तक कि यह भी स्पष्ट किया गया कि केवल कौशल के खेल, दांव लगाना, शर्त लगाना, पैसे या अन्य दांव के लिए खेले जाने वाले खेल को राज्य में अनुमति नहीं दी जा सकती है। दुनिया भर में तीन अरब लोग ऑनलाइन गेम खेलते हैं - यह दुनिया की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत है। वे सभी प्रकार के खेल खेलते हैं - रेसिंग, खेल, एक्शन, पहेली, प्रश्नोत्तरी, शतरंज से लेकर कार्ड गेम तक। दुनिया में मौजूद लाखों खेलों को एक श्रेणी में रखना संभव नहीं है।ऑनलाइन गेम खेलने वाले तीन अरब लोगों में से, ऐसे लोगों का एक अच्छा प्रतिशत है, जो ऑनलाइन कौशल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए प्रवेश शुल्क का भुगतान करते हैं या पुरस्कार अर्जित करने के लिए टूर्नामेंट में प्रवेश करते हैं और ये वे लोग थे, जिन्हें तमिलनाडु के कानून से वंचित किया जा रहा था। मद्रास हाईकोर्ट ने अपने हालिया फैसले में सही माना कि तमिलनाडु अध्यादेश अत्यधिक था। इसने कानून को संविधान के अनुच्छेद 19(1)(जी) के उल्लंघन के रूप में भी माना, जो सभी नागरिकों को किसी भी पेशे से जुड़ने या किसी भी व्यापार या व्यवसाय को करने के अधिकार की गारंटी देता है। मद्रास उच्च न्यायालय के अलावा इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय और कई उच्च न्यायालयों ने कई निर्णयों में पुष्टि की है कि कौशल का खेल (गेम्स ऑफ स्किल), चाहे ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, पूरी तरह से वैध गतिविधि है। आइए तमिलनाडु सरकार और ऑनलाइन गेमिंग के आलोचकों द्वारा रखे गए तर्कों की जांच करें। कुछ लोगों का कहना है कि ऑनलाइन गेम में खिलाड़ी बाय-इन और ऐड-ऑन्स के लिए बहुत पैसा खर्च करते हैं। निश्चित रूप से, खरीदार अमेजन और फ्लिपकार्ट पर अधिक खर्च करते हैं, लेकिन यह उन पर प्रतिबंध लगाने का कारण नहीं होना चाहिए। कई जिम्मेदार गेमिंग ऐप्स में सर्वोत्तम प्रथाएं होती हैं, जो इन खेलों को खेलने के लिए उपयोग की जाने वाली धनराशि को सीमित करती हैं। साथ ही, खिलाड़ियों को बहुत अधिक पैसा खर्च करने पर चेतावनी देने के लिए नियमित सूचनाएं भी हैं। सभी गेमिंग ऐप्स इस नियम का पालन करें, यह सुनिश्चित करने के लिए विनियमन पेश किया जा सकता है। दूसरा तर्क जो सामने रखा गया है वह यह है कि गेमर्स गेमिंग प्लेटफॉर्म पर बहुत अधिक समय बिताते हैं। यह सिर्फ स्किल गेमिंग ऐप्स के लिए ही नहीं, बल्कि फ्री फायर या बैटलग्राउंड मोबाइल इंडिया जैसे किसी भी ऑनलाइन गेम या यूट्यूब या नेटफ्लिक्स जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के लिए भी सही हो सकता है। हालांकि, यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसे संबोधित करने की आवश्यकता है और वैध गेमिंग ऐप्स में चेतावनी सूचनाएं होती हैं यदि कोई व्यक्ति गेम खेलने में बहुत अधिक समय बिता रहा है और यह सभी गेमिंग प्लेटफॉर्म पर एक मानक विशेषता होनी चाहिए। तीसरा तर्क यह है कि निर्दोष लोगों को ठगा जा रहा है। हालांकि यह एक सामान्य बयान की तरह लगता है, यह मुद्दा वास्तव में निष्पक्ष खेल का है। सभी प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म आमतौर पर वैश्विक फर्मों से यादृच्छिक संख्या जनरेटर और नो-बॉट्स प्रमाणपत्र प्राप्त करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई यूजर (उपयोगकर्ता) कंप्यूटर के खिलाफ नहीं खेल रहा है और निष्पक्षता और पारदर्शिता रखी गई है। प्रत्येक ऑपरेटर के लिए विशिष्टताएं भिन्न हो सकती हैं, लेकिन सभी भारतीय ऑपरेटरों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्लेटफॉर्म सुरक्षित और निष्पक्ष हैं और वे इस दिशा में लगातार नवाचार (इनोवेशन) कर रहे हैं। कुछ आलोचकों का कहना है कि ये खेल सभी उम्र के बच्चों द्वारा खेले जाते हैं। जहां तक स्किल गेमिंग प्लेटफॉर्म का संबंध है, यह एक दुर्भावनापूर्ण और भ्रामक तर्क है। ऐसे कई खेल हैं जो बच्चों के लिए हैं - ऐसे खेल जो उनकी भाषा, समझ, गणित आदि की सहायता के लिए हैं। ये स्किल गेमिंग ऐप्स से अलग हैं। भारत में सभी वैध गेमिंग ऐप्स में अनिवार्य रूप से स्पष्ट किया गया होता है कि केवल वयस्क ही गेम खेल सकते हैं और यह केवाईसी जांच के माध्यम से किया जा रहा है।

फेसबुक और नेटफ्लिक्स पर दक्षिण कोरिया में गोपनीयता उल्लंघन पर लगा जुर्माना

सियोल (एजेंसी)।

व्यक्तिगत सूचना संरक्षण पर दक्षिण कोरिया की एक निगरानी संस्था ने बुधवार को प्रमुख विदेशी प्लेटफॉर्म सेवा प्रदाताओं पर गोपनीयता के उल्लंघन पर लगभग 6.7 बिलियन वोन (5.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया।व्यक्तिगत सूचना संरक्षण आयोग ने फेसबुक, नेटफ्लिक्स और गूगल पर जुर्माना लगाया और जांच के बाद समस्याओं को ठीक करने का आदेश दिया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, फेसबुक पर जीते गए 6.46 बिलियन का सबसे भारी जुर्माना लगाया गया था। आयोग ने कहा कि यूएस-आधारित सोशल नेटवर्क सेवा प्रदाता ने अप्रैल 2018 और सितंबर 2019 के बीच बिना सहमति के 2,00,000 स्थानीय उपयोगकर्ताओं के चेहरे की पहचान के टेम्प्लेट बनाए और संग्रहित किए। फेसबुक पर जुर्माना समिति की ओर से दूसरा सबसे बड़ा जुर्माना है। नवंबर 2020 में, समिति ने फेसबुक को 6.7 बिलियन वोन का भुगतान करने का आदेश दिया और उपयोगकर्ताओं की सहमति के बिना अन्य ऑपरेटरों को व्यक्तिगत जानकारी प्रदान करने के लिए आपराधिक जांच की मांग की। फेसबुक पर लोगों के आवासीय पंजीकरण नंबर को गैरकानूनी तरीके से इकट्ठा करने और अपने व्यक्तिगत सूचना प्रबंधन के बारे में परिवर्तनों को सूचित नहीं करने का आरोप लगाया गया है। नेटफ्लिक्स को उनकी सेवा पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही उनकी सहमति के बिना पांच मिलियन लोगों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने के लिए जुर्माना में 220 मिलियन से अधिक वोन का भुगतान करने का आदेश दिया गया था। कंटेंट स्ट्रीमिंग दिग्गज को देश के बाहर व्यक्तिगत डेटा ट्रांसफर की जानकारी का खुलासा नहीं करने के लिए भी जिम्मेदार ठहराया गया है। गूगल पर जुर्माना नहीं लगाया गया था, लेकिन आयोग द्वारा अपनी व्यक्तिगत जानकारी से निपटने के उपायों में सुधार करने की सिफारिश की गई थी। इसने बताया कि व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने पर गूगल का कानूनी नोटिस अस्पष्ट है।

वेस्टर्न डिजिटल ने भारत में वायरलेस चार्जर को किया लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)।

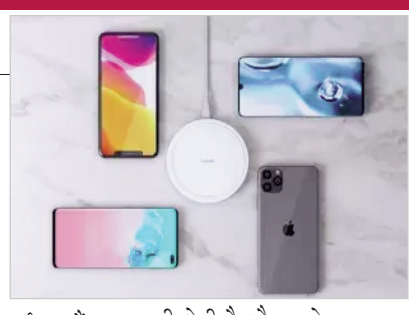

स्टोरेज समाधान क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेस्टर्न डिजिटल ने बुधवार को सैनडिस्क आईएक्सपैंड वायरलेस चार्जर सिंक और सैनडिस्क आईएक्सपैंड वायरलेस चार्जर 15वॉट एडेप्टर के साथ लॉन्च हुआ। वायरलेस चाजिंर्ग सेगमेंट में शामिल। नए सैनडिस्क आईएक्सपैंड वायरलेस चार्जर दो साल की सीमित वारंटी द्वारा समर्थित हैं। आईएक्सपैंड वायरलेस चार्जर सिंक अब 256जीबी क्षमता में 9999 रुपये के एमएसआरपी के साथ उपलब्ध है। क्यूसी 3.0 एडेप्टर के साथ आईएक्सपैंड वायरलेस 15वॉट फास्ट चार्जर की कीमत एमएसआरपी 2999 रुपये है। आईएक्सपैंड वायरलेस चार्जर 15वॉट के एमएसआरपी 1999रुपये पर उपलब्ध है। वायरलेस चार्जर एमाजॉन डॉट इन, क्रोम और देश के अन्य प्रमुख मोबाइल स्टोर पर उपलब्ध हैं। खालिद वानी, बिक्री निदेशक, भारत, वेस्टर्न डिजिटल, एक बयान में कहा,तकनीकी प्रगति और क्यूई (टीएम) की उच्च पहुंच के साथ - बाजार में संगत स्मार्टफोन और डिवाइस, वायरलेस चाजिंर्ग एक तेजी से बढ़ती श्रेणी है और हमारे उपभोक्ताओं के साथ मजबूत मांग रखती है। सैनडिस्क आईएक्सपैंड वायरलेस चार्जर सिंक वेस्टर्न डिजिटल का पहला वायरलेस चार्जर है जो वायरलेस चाजिंर्ग की दोहरी कार्यक्षमता और क्यूई-संगत उपकरणों के लिए स्वचालित डेटा स्टोरेज और बैकअप के साथ आता है। आईएक्सपैंड वायरलेस चार्जर सिंक आपके फोन को आधार पर रखकर स्वचालित रूप से चार्जर पर फोटो, वीडियो और संपर्कों का बैकअप ले सकता है। यह फास्ट चाजिंर्ग के साथ 10वॉट तक की शक्ति प्रदान करता है और इसमें तेज, सुविधाजनक चाजिंर्ग के लिए 6-फुट (1.8एम) केबल के साथ एक उच्च दक्षता वाला पावर प्लग शामिल है। आईएक्सपैंड वायरलेस चार्जर 15 का लक्ष्य फास्ट चाजिंर्ग के साथ 15वॉट तक की शक्ति प्रदान करना है और यह सैनडिस्क एसी एडाप्टर और 4.5 फीट (1.5 मीटर) यूएसबी टाइप-सी केबल के साथ आती है।

गूगल भारत में ऑनलाइन सुरक्षा को करेगा और पुख्ता

नई दिल्ली।

गूगल ने बुधवार को घोषणा की कि नए कार्यक्रमों और पहलों के साथ भारत में ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को तेज करेगा। वर्चुअल गूगल फॉर इंडिया इवेंट में घोषित इन निवेशों में भारत में अपने भरोसे और सुरक्षा टीमों में संसाधनों का विस्तार 8 क्षेत्रीय भाषाओं में एक नए बड़े गूगल सुरक्षा केंद्र का शुभारंभ, और बच्चों के लिए ऑनलाइन सुरक्षा पर केंद्रित यूजर्स शिक्षा कार्यक्रम शामिल हैं। जैसा कि हम एक अरब से अधिक भारतीयों के लिए इंटरनेट को सहायक बनाने में निवेश करना जारी रखते हैं, हम अपने उपयोगकर्ताओं के विश्वास को किसी भी चीज से अधिक महत्व देते हैं। हम दुनिया के सबसे उन्नत सुरक्षा बुनियादी ढांचे का उपयोग करके हर दिन अपने उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। गूगल इंडिया के कंट्री मैनेजर और वाइस प्रेसिडेंट संजय गुप्ता ने एक बयान में कहा, उनके डेटा को अत्यंत जिम्मेदारी के साथ, और उन्हें अपने डेटा पर पूरा नियंत्रण देना। भारत में बच्चों के लिए वैश्विक बी इंटरनेट विस्मयकारी कार्यक्रम शुरू करने के अलावा, गूगल आठ भारतीय भाषाओं में लोकप्रिय कॉमिक बुक पात्रों के माध्यम से महत्वपूर्ण इंटरनेट सुरक्षा पाठों को जोड़ने के लिए भारतीय कॉमिक बुक प्रकाशक अमर चित्र कथा के साथ भी साझेदारी करेगा। साल के अंत तक हिंदी, मराठी, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगु में और बंगाली, तमिल और गुजराती में नए विस्तारित सुरक्षा केंद्र का शुभारंभ, डिजिटल के महत्व पर गूगल के यूजर्स को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए समर्पित एकल गंतव्य के रूप में काम करेगा। डेटा सुरक्षा, गोपनीयता नियंत्रण और ऑनलाइन सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को कवर करने वाली सुरक्षा। बच्चों, परिवारों और शिक्षकों को ऑनलाइन सुरक्षित रहने के बारे में सीखने में मदद करने के लिए डिजिटल सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन और तैयार की गई,बी इंटरनेट विस्मयकारी टूलकिट में इंटरलैंड नामक एक दृश्य, इंटरैक्टिव अनुभव शामिल है, जहां बच्चे ऑनलाइन सुरक्षा के मूल सिद्धांतों को सीख सकते हैं और मजेदार, चुनौतीपूर्ण खेलों की एक श्रृंखला में भाग ले सकते हैं।

कोविड महामारी ने वाहन उद्योग को कई साल पीछे धकेल दिया

- आयुकावा ने कहा, भारतीय वाहन उद्योग के समक्ष कई तात्कालिक, मध्यम अवधि की चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय वाहन उद्योग को कोविड-19 महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया है और इसे कई साल पीछे धकेल दिया है। सोयायटी ऑफ इंडियन ऑटोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष केनिची आयुकावा ने यह बात कही। सियाम के 61वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए आयुकावा ने कहा कि पिछले 5 से 10 साल में सभी वाहन खंडों यात्री वाहनों से लेकर दोपहिया तक वृद्धि दर में जोरदार गिरावट आई। देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आयुकावा ने ऑनलाइन कार्यक्रम में कहा कि कोविड महामारी शुरू होने से पहले ही भारतीय वाहन उद्योग संरचनात्मक सुस्ती से जूझ रहा था। उद्योग के चारों खंडों यात्री वाहन, दोपहिया, वाणिज्यिक वाहन और तिपहिया में पिछले 5 से 10 साल के दौरान दीर्घावधि की वृद्धि दर में भारी गिरावट आई है। यह गिरावट महामारी से पहले शुरू हो गई थी।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी से उद्योग और अधिक प्रभावित हुआ है। इससे उद्योग संख्या के लिहाज से कई साल पीछे चला गया है।

उन्होंने कहा कि तात्कालिक चुनौतियों में कोरोना महामारी से जुड़ी अनिश्चितताएं और हमारा स्वास्थ्य, वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर की कमी, जिसों का महंगा होना, आगामी ईंधन दक्षता तथा भारत चरण छह के तहत चरण-दो के नियमन, कंटेनर कम होना और आयात अंकुश भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा उद्योग के सामने कई मध्यम अवधि की चुनौतियां जैसे कि मांग को कायम रखना, उपभोक्ताओं के लिए लागत को कम रखना, स्थानीयकरण, दीर्घावधि के नियमनों के लिए तैयारी और नई पावरट्रेन प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

खराब फॉर्म से उभरने के लिए सचिन की मदद लें कोहली : गावस्कर

लीड्स। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने मौजूदा कप्तान विराट कोहली को खराब फॉर्म से उभरने के लिए पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से मदद लेने के लिए कहा है। गावस्कर ने बुधवार को कहा, कोहली को तुरंत सचिन को फोन कर पूछना चाहिए कि मैं क्या करूं। कोहली ऐसा कर सकते हैं जैसा सचिन ने सिडनी में किया था। उन्हें खुद से कहना चाहिए कि वह कवर ड्राइव नहीं खेलेंगे। कोहली यहां खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन पहली पारी में महज सात रन बनाकर जेम्स एंडरसन का शिकार बने। टेस्ट क्रिकेट में यह सातवीं बार है जब एंडरसन ने कोहली को आउट किया है। सचिन ने 2003-04 की ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान सिडनी में हुए चौथे टेस्ट के दौरान संयम से खेला था। उन्होंने उस वक्त 436 गेंदें खेली लेकिन इस दौरान कवर ड्राइव नहीं खेला।

एशियाई जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचीं मुस्कान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जूनियर भारतीय मुक्केबाज मुस्कान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुबई में चल रही एएसबीसी एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पांचवें दिन फाइनल में जगह बना ली है। हरियाणा की रहने वाली मुस्कान (46 किग्रा) ने अपने एकतरफा मुकाबले में कजाकिस्तान की येलियानूर तुगार्नोवा को हराया। इस मुकाबले के दौरान भारतीय मुक्केबाज को लंबी दूरी से तेज और स्मार्ट मुक्केबाजी करते देखा गया। मुस्कान ने तीन राउंड में अपना दबदबा बनाए रखा और सर्वसम्मति से 5-0 से विजयी घोषित की गईं। बैंटम वेट सेमीफाइनल में, हालांकि भारत की आरजू (54 किग्रा) को उज्बेकिस्तान की टाइलबगेनोवा गुलदाना के हाथों हार का सामना करना पड़ा। दोनों मुक्केबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई। दोनों मुक्केबाजों ने हवा में सावधानी बरती और शुरूआत से ही लगातार आक्रमण किए। भारतीय मुक्केबाज ने हालांकि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन एक कांटे के मैच में वह 2-3 से मुश्किल से हार गई। इस बीच, देविका (50 किग्रा) और सुप्रिया (66 किग्रा) अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में हार गईं। इस तरह इन दोनों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। जूनियर लड़कों के वर्ग में, रोहित चमोली (48 किग्रा) और भरत जून (प्लस 81 किग्रा) ने अपने-अपने अंतिम 4 दौर के मुकाबलों में समान जीत दर्ज करके फाइनल में प्रवेश किया। इसके साथ दोनों ने अपने लिए कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है। अंकुश (66 किग्रा) को हालांकि सेमीफाइनल में 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। पहले से ही खुद को और देश के पदक हासिल करने के बाद, चार महिलाओं सहित नौ भारतीय युवा मुक्केबाज फाइनल में जगह बनाने का लक्ष्य रखेंगे और इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता के छठे दिन अपना-अपना सेमीफाइनल मुकाबला खेलेंगे। इस आयोजन में पहली बार दोनों आयु वर्ग-जूनियर और युवा पहली बार एक साथ खेल रहे हैं। पुरुषों के वर्ग में वंशज (64 किग्रा), दक्ष (67 किग्रा), विशाल (80 किग्रा), अभिमन्यु (92 किग्रा) और अमन सिंह बिष्ट (प्लस 92 किग्रा) भी एक्शन में दिखाई देंगे, जबकि सिमरन वर्मा (52 किग्रा), प्रीति (57 किग्रा), प्रीति दहिया (60 किग्रा) और स्नेहा (66 किग्रा) युवा महिला वर्ग में अपने लिए बेहतर पदक हासिल करने का प्रयास करेंगी।

सेरेना विलियम्स चोट के कारण यूएस ओपन से हटी

न्यूयार्क (एजेंसी)।

छह बार की यूएस ओपन चैंपियन अमेरिका की सेरेना विलियम्स चोट के कारण यूएस ओपन से हट गई हैं। सेरेना ने यूएस ओपन से हटने की खबर बुधवार को इंस्टाग्राम के जरिए दी। सेरेना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, सावधानीपूर्वक विचार करने और अपने डॉक्टरों और मेडिकल टीम की सलाह का पालन करने के बाद, मैंने यूएस ओपन से हटने का फैसला किया है जिससे मैं चोट से पूरी तरह उबर सकूं। न्यूयॉर्क दुनिया का सबसे मजेदार शहर में से एक है और खेलने के लिए मेरे पसंदीदा स्थानों में से एक है। आप सभी का लगातार प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। सेरेना को विंबलडन के पहले राउंड के दौरान एलियाकसांद्रा सासनोविच के खिलाफ मैच में चोट लगी थी और वह इस मुकाबले से हट गई थीं। सेरेना ने इसके बाद से अबतक टेनिस सर्किट में मैच नहीं खेला है। सेरेना इससे पहले सिनसिनाटी में हुए सर्दन एंड वेस्टर्न ओपन से भी हट गई थीं। सेरेना के अलावा रोजर फेडरर, राफेल नडाल और डॉमिनिक थीम भी साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन से नाम वापस ले चुके हैं।

जूनियर विश्व कुश्ती में सिमरन को मिला कांस्य

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान सिमरन ने रूस के उफा में 16 से 22 अगस्त तक हुए जूनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है। सिमरन ने महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में बेलारूस की नतालिया वरकिना को 7-3 से हरा कर कांस्य पदक जीता। सिमरन ने पहले भी कई बार अंतराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं। उसने विश्व कैडेट कुश्ती चैंपियनशिप 2017 में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा 2018 यूथ ओलिंपिक मे भी रजत पदक उसके नाम रहा है। वर्ष 2015 मे सिमरन की प्रतिभा को देखते हुए साई कोच सहदेव सिंह बालियान ने उन्हें मास्टर चंदगीराम व्यायामशाला दिल्ली के भारतीय खेल प्राधिकरण की एनएसटीसी योजना में शामिल किया। अब भारत को 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए सिमरन जैसी युवा खिलाड़ियों से उम्मीदें दिख रही हैं। व्यायामशाला के कुश्ती कोच सहदेव सिंह बालियान ने इस मौके पर सिमरन के पिता राजेश अहलावत की तारीफ करते हुये कहा कि परिवार के सहयोग से ही वह यहां तक पहुंची है।

टोक्यो में देश की उम्मीदें लेकर गए हैं पैरालम्पियंस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चार पैरा एथलीट टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में भारतीय अभियान में शामिल होने के लिए तैयार हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) के पार्टनर और एक्सेसिबिलिटी पायनियर स्वायम दिल्ली एनसीआर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा सुनिश्चित कर रहा है। हवाई अड्डे के लिए बुधवार को स्वायम वैन की सवारी करने वाले चार ट्रैक और फील्ड एथलीटों में भाला फेंक पैरा एथलीट अजीत सिंह, संदीप और सुमित अंतिल और राम पाल (ऊंची कूद) शामिल हैं। स्वायम पीसीआई का पहला एक्सेसिबिलिटी पार्टनर है। इसने एक सोशल मीडिया अभियान अबजूनुनजीतेगा भी लॉन्च किया है जिसमें पैरालिम्पियनों की यात्रा पर प्रकाश डाला गया है जो उन्हें पूरे खेल के दौरान चियर करेगी। इस मौके पर बोलते हुए स्वायम के संस्थापक स्मिनू जिंदल ने कहा, हमें पीसीआई के साथ जुड़ने पर गर्व है। हम बेहतर पहुंच के माध्यम से अपने पैरालम्पियनों को सम्मान के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करने में मदद करने के लिए तत्पर हैं। पीसीआई की अध्यक्ष दीपा मलिक ने कहा, हम स्वायम को हमारे एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में पाकर खुश हैं। हमारा मानना है कि भारत की पैरालम्पिक समिति और स्वायम की आगे एक बड़ी साझेदारी होगी और ना केवल जागरूकता पैदा करेगी बल्कि सार्वभौमिक पहुंच के नए मानक भी बनाएगी।

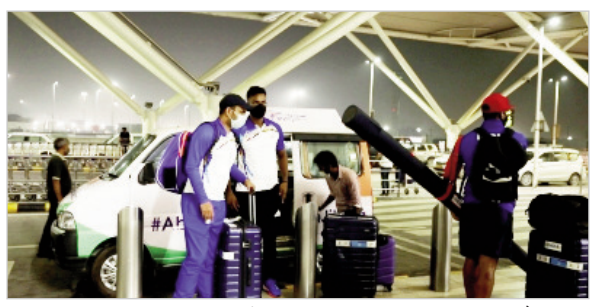

भारत ने इस बार रिकॉर्ड 54 पैरा एथलीटों का दल टोक्यो पैरालम्पिक में भाग लेने पहुंचा है और ये सभी नौ पैरा स्पोर्ट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। स्वायम यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रहा है कि चाणक्यपुरी में स्थित अशोका होटल, जहां पैरालिम्पियन टोक्यो से लौटने पर रुकेंगे, सुलभ और आरामदायक हो। इसके अलावा, स्वायम ने नई दिल्ली हवाई अड्डे के कर्मचारियों के संवेदीकरण प्रशिक्षण का आयोजन किया है ताकि वे पैरालम्पियन की जरूरतों को पूरा कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

पुजारा को और अधिक शॉट लगाने की कोशिश करनी चाहिए : लारा

मुंबई। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा का सुझाव है कि अगर चेतेश्वर पुजारा को सुधार करना है तो उन्हें और अधिक शॉट लगाने की कोशिश करनी होगी जो उनके तथा टीम इंडिया के लिए फायदेमंद रहेगा। लारा ने कहा, मैं पुजारा की तरह संयम रखकर खेलने वाला बल्लेबाज नहीं था और निचले स्ट्राइक रेट से स्कोर नहीं खड़ा करता था। अगर मैं कोच या ऐसा कोई होता जो चाहता था कि पुजारा सुधार करें तो मैं उन्हें और अधिक शॉट खेलने और ऊंची स्ट्राइक रेट से रन बनाने की सलाह देता। 52 वर्षीय लारा ने स्वीकार किया कि पुजारा की खेल शैली ने अतीत में भारत की मदद की है। लेकिन उन्होंने अपने दृष्टिकोण के कारण पुजारा के कई बार कम रन बनाने पर चिंता व्यक्त की। लारा ने कहा, वह अपना काम करते हैं लेकिन मुझे लगता है कि जब आप इतनी धीरे बल्लेबाजी करते हैं तो कई चीज आपकी पारी को स्विंग करा देती है। आपको अपना रास्ता खोजना होगा और शॉट लगाने होंगे।

ईपीएल कल्बों ने कोविड ग्रसित देशों में खिलाड़ियो को भेजने से किया मना

लंदन। प्रीमियर लीग ने कहा है कि इंग्लिश फुटबॉल के टॉप 20 क्लब अपने खिलाड़ियों को अगले महीने होने वाले मैचों के लिए कोविड -19 रेड-लिस्ट देशों में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की अनुमति नहीं देंगे। 19 प्रीमियर लीग क्लबों के लगभग 60 खिलाड़ी सितंबर में अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 26 रेड-लिस्ट देशों की यात्रा करने वाले हैं, लेकिन सभी क्लबों ने खिलाड़ियों को रिलीज नहीं करने का फैसला किया है और क्लबों के फैसले का प्रीमियर लीग द्वारा जोरदार समर्थन किया जा रहा है। प्रीमियर लीग ने मंगलवार को एक बयान जारी करते हुए कहा, एफए और सरकार दोनों के बीच समाधान खोजने के लिए चर्चा हुई है, लेकिन रेड-लिस्ट देशों से आने वाले यात्रियों से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कोई छूट नहीं दी गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोट के मुताबिक, ब्रिटेन में मौजूदा नियमों के तहत, ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे रेड-लिस्ट देशों के सभी यात्रियों को 10 दिनों तक होटल में क्वारंटीन में रहना होगा, जिसका अर्थ है कि खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मैचों से लौटने के बाद कुछ मैचों में नहीं खेलते दिखेंगे । इस फैसले का मतलब है कि अगले महीने क्वालीफायर में मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर गेब्रियल जीसस और गोलकीपर एडर्सन, साथ ही उनके हमवतन एलिसन बेकर, लिवरपूल के फैबिन्हो और रॉबटरे फिरमिनो और लीड्स यूनाइटेड के राफिन्हा, विश्व कप में अर्जेंटीना के खिलाफ घरेलू मैच खेलने के लिए ब्राजील का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे। प्रीमियर लीग के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड मास्टर्स ने कहा, प्रीमियर लीग क्लबों ने हमेशा अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने खिलाड़ियों की इच्छाओं का समर्थन किया है। हालांकि, क्लब ने यह फैसला किया है कि इस नई स्थिति में खिलाड़ियों को रिलीज करना अनुचित होगा। उन्होंने कहा, क्वारंटीन में रहने से खिलाडियों के फिटनेस और अभ्यास पर काफी प्रभाव पड़ेगा। हम अंतरराष्ट्रीय मैच कैलेंडर में मौजूद चुनौतियों को समझते हैं और इसके समाधान के लिए हमेशा तैयार रहते है।

इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों के बीच लॉड्स के लॉग रुम में भी हुई थी नोक-झोंक

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड और भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बीच पिछले हफ्ते दूसरे टेस्ट के दौरान लॉर्डस लॉन्ग रूम में कथित तौर पर तीखी नोक-झोंक हुई थी। द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि तीसरे दिन के अंत में जब जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के 11वें नंबर के बल्लेबाज और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को लगातार शॉर्ट गेंद फेंक रहे थे उसके बाद पवेलियन में तनावपूर्ण नजारा देखने को मिला था। रिपोर्ट के अनुसार, खिलाड़ियों को खेल के मैदान से बाहर निकलते वक्त बहस करते हुए देखा गया था, जो कि लॉन्ग रूम तक चलता रहा। इस दौरान लॉन्ग रुम भारत के अधिकारियों, सहायक कर्मचारियों और बाकी के खिलाड़ियों से भरी हुई थी और उन्होंने अंदर आते ही अपनी टीम का शानदार स्वागत किया।

रिपोर्ट में कहा गया, जोए रूट, जिन्होंने नाबाद 180 रनों की शानदार पारी खेली थी, माना जाता है कि उन्हें विराट कोहली ने ड्रेसिंग रूम के रास्ते में कुछ शब्द कहे थे। लॉर्डस में अंतिम दिन के अंतिम दो सत्रों में इंग्लैंड को 120 रनों पर समेट कर भारत ने टेस्ट मैच को 151 रनों से जीत लिया था। भारत के कप्तान विराट कोहली ने मंगलवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि उनके पक्ष को इंग्लैंड ने उकसाया था, लेकिन बोले गए शब्दों का खुलासा नहीं किया। विराट ने कहा, मैं आपको बोले गए शब्दों को नहीं बता सकता। मुझे लगता है कि यह कैमरों और स्टंप्स माइक दोनों टीमों के बीच के नोक-झोंक कैद है, उस समय मैदान पर जो हुआ, उससे हमें अतिरिक्त प्रेरणा मिली।

विराट के खिलाफ खेलना सम्मान की बात : बटलर

हैडिंग्ले । इंग्लैंड के विकेटकीपर जोस बटलर ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली काफी आक्रामक खिलाड़ी हैं पर उनके खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। बटलर ने कहा कि विराट एक आक्रामक खिलाड़ी हैं और उन्हें चुनौतियां काफी पसंद हैं। वह महान बल्लेबाजों में से एक हैं। अगर मैं सच कहूं तो मुझे विराट के खिलाफ खेलने में खुशी होती हैं क्योंकि जिस तरह से वह मैदान में अपना जुनून दिखाते हैं वह तारीफ के काबिल है। उनके खिलाफ खेलना शानदार होता है क्योंकि वह दूसरे खिलाड़ियों के सामने चुनौतियां पेश करते हैं। इससे मैच का रोमांच भी बढ़ जाता है। बटलर ने अपने बयान में कप्तान जो रूट की भी काफी तारीफ की है। बटलर ने कहा कि जो रूट इस सीरीज में कमाल की फॉर्म में चल रहे हैं। वह इसे आगे जारी रखें और अपने प्रदर्शन में और सुधार कर सकते हैं। हमें रूट का समर्थन करने की जरूरत है। हमें रूट के कंधों पर अधिक दबाव नहीं डालना चाहते हैं। एक टीम के तौर पर हमें एक स्तर पर आना होगा जो हम कर सकते हैं। गौर हो कि भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच हेडिंग्ले लीड्स में खेला जा रहा है। नॉटिंघम में खेला गया टेस्ट सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण ड्रॉ हो गया था।

बेंगलुरु एफएसी ने एएफसी कप के अभियान का अंत सकारात्मक अंदाज में किया

मालदीव। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम बेंगलुरू एफसी ने माले के नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में एएफसी कप ग्रुप डी के साउथ जोन मुकाबले में मालदीव की टीम माजिया स्पोर्ट्स एंड रिक्रिएशन को 6-2 से हराकर टूर्नामेंट के सफर का अंत सकारात्मक अंदाज में किया। पिछले साल माजिया ने ही उन्हें अपने प्ले-ऑफ मैच में बाहर का रास्ता दिखाया था। बेंगलुरु एफसी ने मंगलवार को पहले हाफ के अंत में उदंता सिंह, क्लेटन सिल्वा और लियोन ऑगस्टीन के गोल से 3-0 की बढ़त ली। दूसरे हाफ में शिवशक्ति नारायणन ने एक और विद्यासागर सिंह ने दो गोल किए। इस जीत के साथ, बेंगलुरु एफसी तीन मैचों में चार अंकों के साथ ग्रुप में तीसरे स्थान पर रही। बेंगलुरू एफसी ने अपने शुरूआती लाइन-अप में कुछ बदलाव किए हैं। छेत्री और यरोंडु मुसावु-किंग शुरुआत से ही नहीं थे। उदंता ने छठे मिनट में टीम का खाता खोला। सार्थक गोलुई गोल के अहम किरदार थे क्योंकि उन्होंने दायीं ओर से बॉक्स में एक बिल्कुल सही क्रॉस शॉट खेला और उदंता ने गेंद को अपने सिर से गोल पोस्ट में गेंद को मारा। 13वें मिनट में बेंगलुरू एफसी के लिए स्कोर आसानी से 2-0 हो सकता था लेकिन ऑगस्टाइन उदंता के बायें से पास पर फिनिशिंग टच देने में नाकाम रहे। छह मिनट बाद वे 2-0 से आगे हो गए। गोलकीपर शरीफ गेंद को पकड़ने के लिए कई कदम आगे आए लेकिन वह गेंद को नहीं पकड़ पाए। गेंद उनके पीछे गिरी और सिल्वा ने मौका हाथ से जाने नहीं दिया और स्कोर कर किया। 67वें मिनट में माजिया के हमजा मोहम्मद के पास गोल करने का मौका था पर बेंगलुरू एफसी के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को चकमा देने में वह नाकामयाब रहे। 70 वें मिनट में बेंगलुरु एफसी ने सब्सटीट्यूट खिलाड़ी शिवाशक्ति को उतारा और उन्होंने शानदार गोल कर और टीम को जीत के दहलीज पर ला दिया।

मेघना और यास्तिका ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रेलवे की ओर से खेलने वाली मध्यम गति की तेज गेंदबाज मेघना सिंह और बड़ोदा की बांए हाथ की बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को सितंबर-अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाज राजेश्वरी गायकवाड़ जिन्हें घुटने के चोट के चलते इंग्लैंड के दौरे से बाहर होना पड़ा था, उन्हें भी हर प्ररुपों के लिए टीम में शामिल किया गया है। हाल ही में इंग्लैंड का दौरा करने वाली राधा यादव, प्रिया पुनिया, अरुंधति रेड्डी और इंद्राणी रॉय को सभी प्ररुपों में टीम से बाहर कर दिया गया है। इस बीच, हिमाचल प्रदेश की 25 साल की गेंदबाज रेनुका सिंह ठाकुर को टी 20 टीम में शामिल किया गया है। मिताली राज टेस्ट और वनडे सीरीज में टीम की कमान संभालेंगी तो वहीं हरमनप्रीत कौर के हाथ में टी 20 सीरीज की कमान होगी जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। वनडे सीरीज 19, 22 और 24 सितंबर को खेली जाएगी। दोनों टीमों के बीच एकमात्र टेस्ट 30 सितंबर से तीन अक्टूबर तक खेला जाएगा जबकि सात, नौ और 11 अक्टूबर को टी 20 सीरीज खेली जाएगी। एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारत की महिला टीम इस प्रकार है- मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर (उप-कप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, पूनम राउत, जेमिमा रॉड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, यास्तिका भाटिया, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), शिखा पांडे, झूलन गोस्वामी, मेघना सिंह, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, ऋचा घोष, एकता बिष्ट।

भारत महिला टी20 टीम :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, यास्तिका भाटिया, शिखा पांडे, मेघना सिंह, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देओल, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, रेणुका सिंह ठाकुर।

जमैका टेस्ट - विंडीज के बल्लेबाज परिस्थिति समझने में नाकामयाब रहे : सिमंस

जमैका। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच फिल सिमंस ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ 109 रनों से मिली हार के बाद कहा है कि उनकी टीम के बल्लेबाज खेल के परिस्थिति को समझने में नाकामयाब रहे और अपनी तकनीक का भी सही इस्तेमाल नहीं किया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाद शाहीन अफरीदी ने मैच में दस विकेट लेकर मेजबान टीम को दूसरे टेस्ट के अंतिम दिन 219 रनों पर ढेर कर दिया था और पाकिस्तान ने दो मैचों की इस सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। सिंमस ने होस्ट ब्राडकास्टर से कहा, हमें पता है कैसे बल्लेबाजी की जाती है, हमने 50 रनों के लिए 110 गेंदो का उपयोग किया। हम अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, पहली पारी में हमने देखा कि कैसे गेंद ने स्विंग करना शुरु कर दिया था। हम परिस्थिति को नहीं समझे, हम थोड़ा और सजग होकर खेल सकते थे। सिमंस ने कहा, हमारे गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की पर हमारे बल्लेबाजों का उन्हें साथ नहीं मिला। सिमंस ने आगे कहा, हमें टीम का साथ देना होगा। टेस्ट में बेहतर बल्लेबाजों की टीम बनाने के लिए हमारे खिलाड़ी अपने खेल में सुधार कर रहे हैं, अगर कोई खामियां है तो उसे हमें साथ मिलकर सुलझाना होगा। हमें अपने बल्लेबाजों के आत्मविश्वास को बढ़ाते रहना होगा, शेष क्या हो रहा है इस पर हमें ध्यान देने की जरुरत नहीं है। सिमंस ने कहा कि हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियो की कमी नहीं है। अगर आप बाबर आजम और केन विलियम्सन को देखें तो वे काफी मेहनत करते हैं, हमारे बल्लेबाजों को भी मेहनत करने की जरुरत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृष्ण जन्मभूमि मथुरा है बेहद खास

इन प्रसिद्ध जगहों पर जरूर जाएं एक बार!

भगवान कृष्ण की नगरी कहलाई जाने वाला धार्मिक स्थल मथुरा दुनियाभर में पर्यटकों के बीच प्रसिद्ध है। यहां भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए विश्वभर से पर्यटक आते हैं। ये स्थल भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि से भी जाना जाता है। विशेषतौर होली मानाने के लिए यहां दूर-दूर से लोग आया करते हैं। यहां कृष्ण मंदिर के अलावा कई अन्य जगह भी हैं जहां आप घूमने के लिए जा सकते हैं। मथुरा से करीब 56 किलोमीटर की दूरी पर आगरा है। आप चाहें तो मथुरा के साथ-साथ आगरा भी घूमने जा सकते हैं। वहीं, अगर आप मथुरा घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज हम आपको जिन प्रमुख जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं वहां आप घूमने जा सकते हैं। आइए आपको मथुरा के कुछ प्रमुख स्थानों के बारे में बताते हैं...

कृष्ण जन्मभूमि

अगर आप मथुरा जा रहे हैं तो सबसे पहले कृष्ण जन्मभूमि मंदिर ही जाएं। कृष्ण जन्मभूमि से ही आपको ये साफ हो गया होगा कि ये कृष्ण भगवान का जन्म स्थान है। बता दें कि इस मंदिर को उसी कारागार के बाहर बनाया गया है जहां भगवान कृष्ण ने जन्म लिया था। कहते हैं कि यहां कृष्ण भगवान की शुद्ध सोने से बनी 4 मीटर की मूर्ति थी, जिसको महमूद गजनवी द्वारा चुरा लिया गया था।

बांके बिहारी मंदिर

मथुरा के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक बांके बिहारी मंदिर है। ये राधा वल्लभ मंदिर के पास स्थित है। बता दें कि भगवान कृष्णा का दूसरा नाम बांके बिहारी भी है। इस मंदिर में बांके बिहारी की मूर्ति काले रंग की होती है। इस मंदिर में पहुंचने के लिए आपको संकरी गलियों से जाना पड़ेगा।

द्वारकाधीश मंदिर

अगर आप भगवान कृष्ण से संबंधित घटनाएं कलाकृतियां देखना चाहते हैं तो द्वारकाधीश मंदिर जा सकते हैं। ये मंदिर विश्राम घाट के निकट स्थित है। इसका निर्माण साल 1814 में किया गया था। इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है, खासतौर पर जन्माष्टमी में यहां ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है।

मथुरा संग्रहालय

मंदिर के दर्शन करने के अलावा आप म्यूजियम भी देखने जा सकते हैं। साल 1974 में मथुरा संग्रहालय का निर्माण किया गया था। इस संग्रहालय का पहले नाम 卐कर्जन म्यूजियम ऑफ आर्कियोलॉजी卐 था। यहां आप कुषाण और गुप्त वंश से संबंधित कई कलाकृतियां देख सकते हैं। यहां अनोखी वास्तुकला और कई कलाकृतियों हैं, इसका चित्र भारत सरकार के स्टैंप पर भी छापा गया है।

कुसुम सरोवर

मथुरा के प्रमुख स्थानों में से एक कुसुम सरोवर है। ये लगभग 60 फीट गहरा और 450 फीट लंबा है। इस सरोवर का नाम राधा के नाम पर रखा गया है। कहते हैं कि यहां भगवान कृष्ण और राधा मिलने के लिए आया करते थे। कुसुम सरोवर में कई लोग नहाने भी आते हैं, यहां का पानी शांत और साफ-सुथरा है। यहां पर होने वाली शाम की आरती यहां का मुख्य आकर्षण केंद्र, कई पर्यटक इस दृष्य को अपने कैमरे में भी कैद करते हैं।

गोवर्धन पर्वत

अगर आप मथुरा घूमने आए हैं तो गोवर्धन पर्वत के दर्शन करने भी जरूर जाएं। इसका हिन्दू पौराणिक साहित्य में बेहद खास महत्व है। पौराणिक ग्रंथो के अनुसार भगवान कृष्ण ने अपनी एक छोटी उंगली से इस पर्वत को उठा लिया था। इस पर्वत का दर्शन करने वाले लोग इसके चक्कर जरूर लगाते हैं। मान्यता है कि ऐसा करना अच्छा होता है और भगवान कृष्ण की खास कृपा होती है।

कंस किला

जयपुर के महाराजा मानसिंह द्वारा कंस किले का निर्माण किया गया था। अकबर के नवरत्नों में मानसिंह शामिल थे। हिन्दू और मुगल वास्तुकला के मिश्रण का अच्छा नमूना ये मंदिर यमुना नदी के किनारे स्थित है।

10 साल पहले नक्सलियों का गढ़ था त्रिपुरा का बंश ग्राम, आज है पर्यटकों का पसंदीदा स्थल

त्रिपुरा भारत के सभी पूर्वोत्तर राज्यों में एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य है। विरासत और ऐतिहासिक स्थल, सैकड़ों साल पुराने मंदिर, वन्यजीव स्थल और एक संपन्न कला और शिल्प उद्योग, त्रिपुरा का आकर्षण हैं। एक समय में त्रिपुरा में कुछ ऐसी घटनाएं हुई जिसकी वजह से इस राज्य की छवि पर असर पड़ा लेकिन अब हालत पूरी तरह से बदल चुके हैं। त्रिपुरा पर्यटकों के लिए एक बेहतरीन पसंद बनता जा रहा है। पिछले कुछ सालों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई हैं। त्रिपुरा भारत के उन यात्रा स्थलों में से एक है जो परिवारों, दोस्तों, कपल और सोलो यात्रियों को आकर्षित करता हैं। वैसे तो त्रिपुरा में घूमने के लिए कई बेहतरीन हॉटस्पॉट है लेकिन आजकल एक खास स्थल की लोकप्रियता काफी बढ़ गयी है। इस खूबसूरत जगह का नाम है बंश ग्राम। त्रिपुरा के कटमारा गांव की सीमा के तहत अगरतला से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित, बंश ग्राम त्रिपुरा में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां पर आप देख सकते हैं कि भारी संख्या में पर्यटकों का जमावड़ा है। इस जगह के बारे में अभी ज्यादा जानकारी गूगल पर उपलब्ध नहीं है लेकिन जो लोग वहां जा चुके हैं उन्होंने इस जगह की काफी तरीफें की है। बंश ग्राम में आप नैचुरल खूबसूरती देख सकते है। घनें जंगल, शुद्ध हवा, झीलों से घिरे बंश ग्राम में पर्यटकों के लिए काफी अच्छी व्यवस्था है। आज से दस साल पहले बंश ग्राम में एक ऐसा हादसा हुआ था जिसके बाद इस जगह को यहां के निवासी छोड़कर भाग गये थे। एक दशक से भी कम समय पहले, बंश ग्राम इलाका अपनी उग्रवादी गतिविधियों के लिए जाना जाता था। 1999 में पंचबती हत्याकांड के बाद विशेष रूप से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (अअस) द्वारा बंश ग्राम में 18 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गयी थी। हत्या के बाद बड़ी संख्या में लोग यहां से भाग गए थे। बंश ग्राम नाम के इस इलाके में एक बहुत की शानदार रेस्टोरेंट भी है जहां पर्यटक खाने पीने के लिए आते हैं। इस जगह का नाम बंश ग्राम है। बंश ग्राम के संस्थापक मन्ना रे ने कहा कि उन्होंने इसे बनाया था। स्थानीय संसाधनों के उपयोग से इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन को बढ़ावा देने के लिए सुंदर बांस का सहारा लेकर इस जगह को बनाया है। प्रकृतिक चीजों से बना बंश ग्राम लोगों के बीच काफी मशहूर हो रहा है। बांस की झोपड़ियों से लेकर कुर्सियां, मेज, पुल, वॉचटावर यहां सब कुछ बांस से बना है।

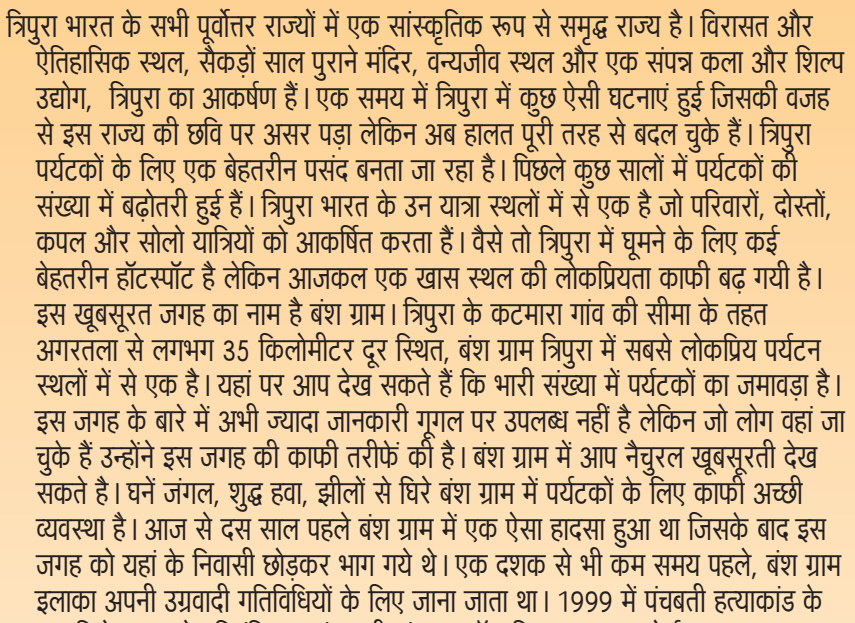

अमरकंटक : तपोभूमि और प्राकृतिक छटा जहां जाने से मिलता है मोक्ष

मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ तहसील में स्थित नर्मदा नदी का उद्गम स्थल अमरकंट कई ऋषि-मुनियों की तप-स्थली होने के साथ ही यह स्थल आध्यात्मिक और प्राकृतिक दृष्टि से बहुत ही सुंदर और मनोरम है। अमरकंटक का उल्लेख महाभारत काल में भी मिलता है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी यह स्थल महत्वपूर्ण है।

तपस्थली : कहते हैं, किसी जमाने में यहां पर मेकल, व्यास, भृगु और कपिल आदि ऋषियों ने तप किया था। ध्यानियों के लिए अमरकंटक बहुत ही महत्व का स्थान है। जगतगुरु शंकराचार्य ने यही पर नर्मदा के सम्मान में नर्मदाष्टक लिखा था। भारत भ्रमण करते समय शंकराचार्य ने कुछ दिन यहां गुजारे और कई मंदिरों की स्थापना की। बीर ने भी यहां कुछ समय बिताया था, जिसे आज कबीर चौरा के नाम से जाना जाता है।

मंदिर : अमरकंट के कोटितीर्थ के मंदिरों के अलावा यहां से कुछ कदमों की दुरी पर कल्चुरि राजाओं के द्वारा बनाए गए मंदिर हैं। यहां स्थित मंदिरों में पातालेश्वर महादेव मंदिर, शिव, विष्णु, जोहिला, कर्ण मंदिर और पंचमठ महत्वपूर्ण है। पातालेश्वर महादेव मंदिर में स्थित शिवलिंग की स्थापना शंकराचार्य ने की थी। इस मंदिर की विशेषता यह है कि शिवलिंग मुख्य भूमि से दस फीट नीचे स्थित है यहां श्रावण मास के एक सोमवार को नर्मदा का पानी पहुंचता है। कोटितीर्थ से आठ किमी उड्डार में स्थित है 'जलेश्वर महादेव'। यहां के मंदिरों को संवारने का कार्य कई शासकों ने किया जिनमें नाग, कल्चुरि, मराठा और बघेल वंश के शासक रहे हैं।

नर्मदा का उद्गम स्थल : कोटितार्थ मां नर्मदा का उद्गम स्थल है। यहां सफेद रंग के लगभग 34 मंदिर हैं। यहां नर्मदा उद्गम कुंड है, जहां से नर्मदा नदी का उद्गम है जहां से नर्मदा प्रवाहमान होती है। मंदिर परिसरों में सूर्य, लक्ष्मी, शिव, गणेश, विष्णु आदि देवी-देवताओं के मंदिर है।

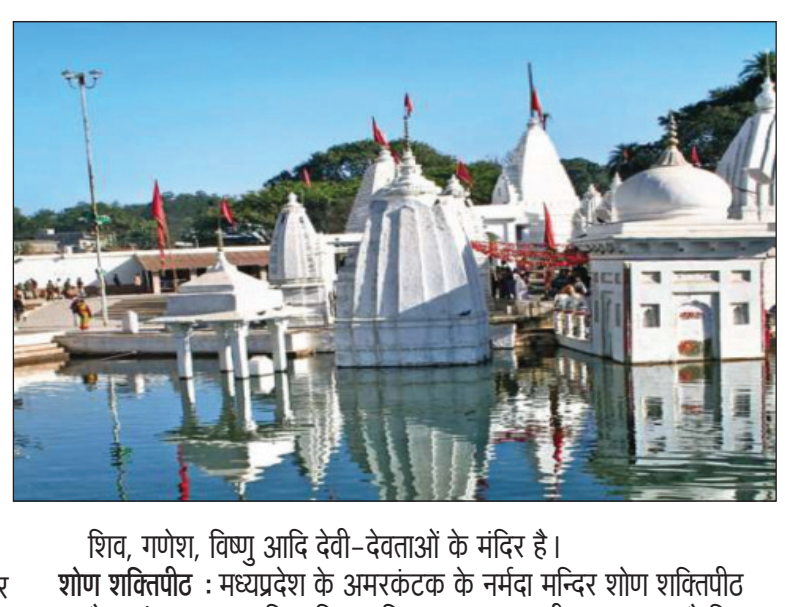

शोण शक्तिपीठ : मध्यप्रदेश के अमरकंटक के नर्मदा मन्दिर शोण शक्तिपीठ है। यहां माता का दक्षिण नितम्ब गिरा था। एक दूसरी मान्यता यह है कि बिहार के सासाराम का ताराचण्डी मन्दिर ही शोण तटस्था शक्तिपीठ है। यहां सती का दायां नेत्रा गिरा था ऐसा माना जाता है। यहां की शक्ति नर्मदा या शोणाक्षी तथा भैरव भद्रसेन हैं।

प्राकृतिक सुंदरता : अमरकंटक अपने प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। अमरकंटक मैकल पर्वतश्रेणी की सबसे ऊंची श्रृंखला है। विंध्याचल, सतपुड़ा और मैकल पर्वतश्रेणियों की शुरुआत यही से होती है। अमरकंटक अपने औषधि वाले जंगल के लिए जाना जाता है। यहां तरह-तरह की औषधियां मिलती हैं।

नदियों का उद्गम स्थल : समुद्रतल से अमरकंटक 3600 फीट की ऊंचाई पर स्थित अमरकंटक को नदियों की जननी कहा जाता है। यहां से लगभग पांच नदियों का उद्गम होता है जिसमें नर्मदा नदी, सोन नदी और जोहिला नदी प्रमुख है। अमरकंटक के कोटितीर्थ से लगभग एक किमी दूर स्थित है सोनमुंग जिसे सोनमुड़ा भी कहते हैं। सोनमुंग से ही सोन नदी का उद्गम होता है जो उड्डार की ओर बहती हुई गंगा नदी में मिल जाती है। सोनमुंग से प्रकृतिक नजारा देखने लायक है। प्रकृतिप्रेमियों के लिए यह जगह आनंद देने वाली है। यहां बंदरों की आप पूरी फौज को देख सकते हैं। यहां के बंदरों की खासियत यह है कि यह सभी भी शांत चिड्डा नजर आते हैं। सोनमुंग से एक किमी दूर स्थित है माई की बगिया। लोक मान्यता अनुसार यहां नर्मदा नदी बचपन में खेल खेला करती थी। माई की बगिया से लगभग 3 किमी दूर स्थित है नर्मदा द्वारा बनाया गया पहला जलप्रपात जिसे कपिलधारा के नाम से भी जाना जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अफगानिस्तान की खनिज संपदा पर ड्रैगन की नजर, अमेरिका समेत कई देशों को हो सकता है आर्थिक नुकसान

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान का राज है। इतिहास के पन्नों में झांके तो सोवियत संघ ने तख्तापलट कर अफगानिस्तान में कम्युनिस्ट की सरकार बनावायी थी। जिसके बाद अमेरिका, साउदी अरब समेत कई देशों ने मिलकर सोवियत संघ के खिलाफ मोर्चा तैनात करने के लिए तालिबान जैसे ग्रुप को जन्म दिया गया। उत्तरी पाकिस्तान से तालिबान जैसे संगठन की शुरुआत हुई। अमेरिका, साउदी अरब जैसे देशों ने पैसा और हथियार देकर तालिबान को मजबूत किया और सोवियत संघ को वहां से निकलने के लिए मजबूर कर दिया।

इसके बाद अफगानिस्तान पर तालिबान का राज था लेकिन बाद में अमेरिका ने तालिबान को वहां से उखाड़ फेंका और सरकार का गठन करवाया। हालांकि 15 अगस्त को काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही अमेरिकी समर्थन सरकार गिर गई और राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़कर भाग गए लेकिन क्या आप जानते हैं कि अफगानिस्तान में मौजूद खनिज संप्रदा पर बहुत से देशों की नजर है। तालिबान का समर्थन करने वालों मुल्कों में विश्व पर राज करने की चाहत रखने वाला चीन भी शामिल है।

साल 2001 में जब अमेरिका ने अफगानिस्तान से तालिबानियों को खदेड़ा था तब वैश्विक अर्थव्यवस्था काफी अलग थी। टेस्ला जैसी कंपनी नहीं थी, आईफोन मौजूद नहीं था और स्टीवन स्पीलबर्ग फिल्म में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देखने को मिलता था। अब तीनों आधुनिक अर्थव्यवस्था में सबसे आगे हैं, जो उच्च तकनीक वाले चिप्स और उच्च क्षमता वाली बैटरी में प्रगति से प्रेरित हैं।

सबसे बड़ा लिथियम भंडार

अफगानिस्तान दुनिया के सबसे गरीब देशों में शामिल है। लेकिन 2010 में खुलासा हुआ था कि देश में करीब एक लाख करोड़ डॉलर का खनिज भंडार है। इससे देश की अर्थव्यवस्था में काफी परिवर्तन हो सकता है। अफगानिस्तान में दुनिया का सबसे बड़ा लिथियम भंडार के साथ-साथ लोहे, तांबे और सोने का भंडार भी हैं।

आपको बता दें कि लिथियम से रिचार्जेबल बैटरी बनाई जाती है। जिसका उपयोग मोबाइल फोन, लैपटॉप और इलेक्ट्रिक वीकल्स में होता है। ऐसे में लिथियम को धरती से बाहर कौन निकालेगा। इसी का खेला चल रहा है।

खरबों डॉलर की दुर्लभ धातु मौजूद

चीन की नजर अब वहां धरती पर मौजूद खरबों डॉलर मूल्य की दुर्लभ धातुओं पर है। सीएनबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में अफगान दूतावास के पूर्व राजनयिक अहमद शाह कटवाजई के हवाले से कहा कि अफगानिस्तान में मौजूद दुर्लभ धातुओं की कीमत 2020 में एक हजार अरब डॉलर से लेकर तीन हजार अरब डॉलर के बीच लगाई गई थी। इन कीमतों धातुओं का इस्तेमाल हाई-टेक मिसाइल की प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकों में प्रमुख तौर पर किया जाता है।

सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन दुनिया की 85 प्रतिशत से अधिक दुर्लभ पृथ्वी की धातुओं की आपूर्ति करता है। चीन सुरमा (एंटीमनी) और बराइट जैसी दुर्लभ धातुओं और खनिजों की भी आपूर्ति करता है, जो वैश्विक आपूर्ति के लिए मौजूद लगभग दो-तिहाई हिस्सा है।

चीन ने दी थी अमेरिका को धमकी

चीन ने 2019 में अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध के दौरान धातु निर्यात को नियंत्रण में करने की धमकी दी थी। चीन के इस कदम से अमेरिकी उच्च तकनीक उद्योग के लिए कच्चे माल की गंभीर कमी हो सकती है। उभरते बाजार ऋण एलायंसबर्नस्टीन की निदेशक शमिला खान का मानना है कि तालिबान ऐसे संसाधनों के साथ सामने आये हैं जो दुनिया के लिए बहुत खतरनाक साबित हो सकते है। अफगानिस्तान में मौजूद खनिजों का दुरुपयोग किया जा सकता है।

चीन वित्तीय सहयोग करने के लिए तैयार

चीन ने संकेत दिया कि वह तालिबान के कब्जे वाले अफगानिस्तान को वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद काबुल को विभिन्न देशों द्वारा वित्तीय मदद रोके जाने के बीच चीन मदद करना चाहता है। हाल ही में चीन ने कहा था कि वह युद्धग्रस्त देश की मदद करने में 'सकारात्मक भूमिका' निभाएगा।

चीन ने अमेरिका को निशाने पर लेते हुए कहा था कि वह अफगान संकट के लिए मुख्य गुनहगार है और अमेरिका, अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के लिए कुछ किए बिना ऐसे हाल में छोड़कर नहीं जा सकता।

वहीं, जी7 देशों की प्रस्तावित बैठक से पहले चीन ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि अफगानिस्तान एक स्वतंत्र, संप्रभु राष्ट्र है। अमेरिका और उसके सहयोगियों को अतीत से सबक सीखना चाहिए और अफगानिस्तान से संबंधित मुद्दों पर समझदारी से काम लेना चाहिए।

साल 2003 से 2020 तक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में वरिष्ठ कर्नल रहे झोउ बो ने न्यूयॉर्क टाइम्स में एक ऑप-एड में लिखा कि अमेरिका की वापसी के साथ बीजिंग, काबुल को राजनीतिक निष्पक्षता और आर्थिक निवेश की पेशकश कर सकता है जिसकी उसे सबसे ज्यादा जरूरत है।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में बदले हालात के बीच चीन के लिए आर्थिक विकास को खोजना एक पुरस्कार की तरह ही होगा। क्योंकि चीन काफी तेजी से अफगानिस्तान में इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास कर सकता है और अफगानिस्तान की जमीन के अंदर छिपे एक ट्रिलियन डॉलर के खनिज तक पहुंच सकता है।

तालिबान को तबाह कर सकता है अमेरिका

तालिबान भले ही अमेरिका को 31 अगस्त तक निकलने की चेतावनी दे रहा है कि लेकिन उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि अभी भी अमेरिका के पास उसे तबाह करने की हिम्मत और ताकत दोनों ही मौजूद है। चीन का मानना है कि अमेरिका कभी भी तालिबान को अफगानिस्तान से उखाड़ सकता है और तमाम विदेशी कंपनियों को भी अफगानिस्तान पर निवेश करने से रोक सकता है। ऐसे में अफगानिस्तान के हालात और भी ज्यादा बदतर हो सकते हैं।

इसे भी पढ़ें:- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख का बयान, तालिबान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में बर्बरता की खबरें मिली हैं

आर्थिक मोर्चे पर तालिबान को लगा झटका

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बाद अब वर्ल्ड बैंक ने अफगानिस्तान की तमाम परियोजनाओं के लिए दी जाने वाली फंडिंग को रोक दिया है। वहीं, अमेरिका ने पहले ही अफगानिस्तान की करीब 9.5 बिलियन डॉलर की संपत्ति को फ्रीज कर दिया था। इसके बाद आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक द्वारा फंडिंग रोके जाने से तालिबान को बड़ा झटका लगा है।

चीन का मानना है कि तालिबान के लिए अफगानिस्तान की सरकार को चला पाना काफी मुश्किल होगा। ऐसे में चीन अफगानिस्तान के हालातों पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। माना जा रहा है कि चीन अफगानिस्तान पर अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए कोई भी मौका नहीं छोड़ेगा। क्योंकि बात खनिज संप्रदा की है। जिसकी वजह से अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलेगी।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि तालिबान गहरे आर्थिक संकट की तरफ आगे बढ़ रहा है। ऐसे में आने वाले समय में आटा, दाल, चावल, तेल से लेकर दवाईयों तक की कीमत में भारी इजाफा हो सकता है। दूसरी तरफ जिस तरह से अमेरिका को तालिबान धमकी दे रहा है उसे नहीं भूलना चाहिए कि उसकी आर्थिक स्थिति को और भी कमजोर करने से अमेरिका चूकेगा भी नहीं। हालांकि तालिबान चाहता है कि उसके ऊपर से वैश्विक प्रतिबंधों को समाप्त किया जाए।

इसे भी पढ़ें:- अफगानिस्तान से वतन वापसी के लिए 24 घंटे काम कर रही है ये स्पेशल टीम!

हाल ही में तालिबान के प्रवक्ता ने कहा था कि अफगानिस्तान पर लगा आर्थिक प्रतिबंध पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को कमजोर कर देगा। इसलिए प्रतिबंधों को समाप्त किया जाना चाहिए। इसका फैसला एकतरफा है और अफगानी लोगों के खिलाफ है।

सार समाचार

व्लादिमीर पुतिन का आदेश, चार सैन्य विमानों से 500 से अधिक लोगों को अफगानिस्तान से निकालेगा रूस

मॉस्को। रूस चार सैन्य विमानों से 500 से अधिक लोगों को अफगानिस्तान से निकालने की तैयारी में है। काबुल से लोगों को निकालने की कवायद शुरू होने के बाद रूस का यह पहला अभियान है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि वह काबुल से रूस, बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और यूक्रेन के लोगों को निकालेगा।मंत्रालय के मुताबिक, हर विमान में चिकित्सा कर्मियों की एक टीम रहेगी ताकि किसी को इलाज की जरूरत हो तो उसकी मदद की जा सके। मंत्रालय ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर लोगों को निकालने का अभियान शुरू किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई यात्रा प्रतिबंधों ने कोविड के मामलों को 88 प्रतिशत तक कम किया: अध्ययन

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विज्ञान एजेंसी ने एक ऐसा उपकरण विकसित किया है, जो देश के लिए सभी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में कोरोनावायरस संक्रमणों की संख्या का अनुमान लगाने में सक्षम है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह मॉडल कॉमनवेल्थ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (सीएसआईआरओ) द्वारा विकसित किया गया था। यह एक उड़ान में केस संख्या का अनुमान लगाने के लिए आने वाले यात्रियों की संख्या और उनके मूल देश में कोविड -19 संक्रमण की दर का उपयोग करता है। सीएसआईआरओ के शोध वैज्ञानिक जेस लिबिग ने कहा कि यह यात्रा प्रतिबंधों और सीमाओं को खोलने पर सरकारी निर्णयों में सहायता के लिए एक अन्य उपकरण के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बुधवार को एक बयान में कहा, मॉडल एक लचीला ढांचा है जिसका उपयोग यात्रा प्रतिबंधों के प्रभावों को मापने और प्रस्तावित आराम का मूल्यांकन करने के लिए किया जा सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अफगान नीति को लेकर जो बाइडन पर साधा निशाना, कहा- आतंकियों के सामने टेक दिए घुटने

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगान नीति को लेकर अपने उत्तराधिकारी जो बाइडन पर निशाना साधा और चिंता जाहिर करते हुए कहा कि निकासी अभियान के जरिएबड़ी संख्या में आतंकवादी तनावग्रस्त देश से बाहर आ गए होंगे। ट्रंप ने मंगलवार को एक बयान में कहा, '' बाइडन ने अफगानिस्तान के आतंकवादियों के सामने घुटने टेक दिए हैं और सैनिकों को वापस बुला कर, हजारों अमेरिकियों को मरने के लिए छोड़ दिया। अब हमें पता चला है कि निकाले गए 26,000 लोगों में से केवल चार हजार अमेरिकी थे। तालिबान जिसने अब पूरी तरह कब्जा कर लिया है, उसने इन निकासी उड़ानों में सबसे प्रतिभाशाली लोगों को चढ़ने की अनुमति नहीं दी।''

तालिबान की अमेरिका को अंतिम चेतावनी, कहा- 31 अगस्त तक अफगानिस्तान छोड़े सैनिक

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के अफरा-तफरी का माहौल है। ऐसे में तालिबान ने अमेरिका को पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि 31 अगस्त तक अफगानिस्तान को छोड़ दे। लेकिन अमेरिकी सैनिकों द्वारा चलाया जाने वाला अभियान 31 अगस्त तक पूरा होते हुए नहीं दिख रहा था ऐसे में तालिबान ने अमेरिका को अंतिम चेतावनी दी है। तालिबान ने कहा कि अमेरिकी सैनिक 31 अगस्त तक अफगानिस्तान छोड़ दे नहीं अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की राजनीतिक विचारधारा को अब स्कूल और कॉलेजों में पढ़ाया जाएगा

बीजिंग। (एजेंसी)।

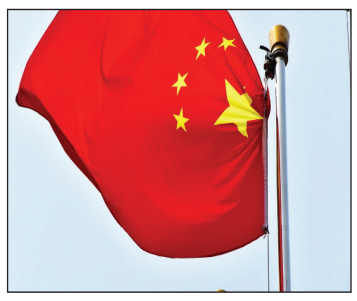

भविष्य में देश की सत्ता पर कम्युनिस्ट पार्टी की पकड़ को और मजबूत करने के प्रयासों के तहत चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की राजनीतिक विचारधारा को अब स्कूल और कॉलेजों से संबंधित राष्ट्रीय पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। चीन के शिक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि ''नए युग के लिए चीनी विशिष्टताओं के साथ समाजवाद पर शी चिनफिंग के विचार'' को सभी स्तरों पर छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाएगा।

सरकार संचालित अखबार चाइना डेली के अनुसार देश की राष्ट्रीय पाठ्यपुस्तक समिति द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि पाठ्यपुस्तकों में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) और राष्ट्र की इच्छाशक्ति दिखेगी। राष्ट्रीय पाठ्यपुस्तक समिति के सदस्य हान झेन ने कहा कि राष्ट्रपति की राजनीतिक विचारधारा को विभिन्न विषयों में शामिल किया जाएगा। नए पाठ्यक्रम के अनुसार प्राथमिक विद्यालय देश, सीपीसी और समाजवाद के लिए प्रेम पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं, माध्यमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में बुनियादी राजनीतिक निर्णयों और मतों से छात्रों की मदद करने के लिए प्रत्यक्ष बोधात्मक अनुभव और ज्ञान अध्ययन शामिल होगा। सरकार संचालित ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि कॉलेज स्तर पर सैद्धांतिक सोच की स्थापना पर अधिक ध्यान दिया जाएगा।

काबुल पर कब्जे के बाद अपने लड़ाकों को बांट रहा सत्ता की मलाई, वित्त मंत्री बना 'तालिबान का कसाई'

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद अब वहां सरकार बनाने की कवायद तेज हो गई है। तालिबान ने अपनी अंतरिम सरकार का गठन करते हुए तालिबान ने कई मंत्रियों के नाम की घोषणा की है। किसी वक्त तालिबान के विरोधी रहे गुल आगा शेरजई को अफगानिस्तान का वित्त मंत्री बनाया गया। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद के अनुसार सरकार गठन के साथ-साथ कुछ सरकारी दफ्तरों में काम भी शुरू हो गया। अधिकारियों की भी नियुक्ति शुरू हो गई है। काबुल पर काबिज तालिबान के मुल्ला अब तक नई सरकार को नहीं बना सके लेकिन अपने लड़ाकों को सत्ता की मलाई बांटने में जरूर जुट गए हैं। तालिबान ने काबुल में मेयर और गवर्नर के साथ-साथ देश में नए गृह मंत्री और वित्त मंत्री बना दिए।

कसाई का तमगा पाने वाले शेरजई को बनाया गया वित्त मंत्री

गुल आगा शेरजई को तालिबान ने वित्त मंत्री बनाया है। कभी तालिबान के दुश्मन रहे गुल आगा शेरज़ई जिन्होंने मौसम का मिज़ाज भांप कर तालिबान से हाथ मिला लिया। उन्हें अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई का खास माना जाता था। 1996 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने से पहले वे कंधार प्रांत के गवर्नर रहे शेरजई ने तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अंडरग्राउंड हो गए थे। 2001 में जब अमेरिका ने तालिबान के खिलाफ जंग का ऐलान किया तब वे फिर सामने आए और अपने लड़ाकों के साथ जमीन पर काम किया। 2001 में तालिबान को खदेड़े जाने के बाद उन्हें दोबारा कंधार का गवर्नर बना दिया गया। 2003 तक वे इस पद पर बने रहे। इसके बाद उन्हें नंगरहार प्रांत के गवर्नर बनाया गया। यहीं पर उन्हें बुलडोजर का नाम मिला। इसके बाद ही गुल आगा शेरजई को अफगानिस्तान का बुलडोजर कहा जाने लगा।

अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार की कैबिनेट में किसे क्या मिला?

सखउल्लाह- शिक्षा विभाग का कार्यवाहक प्रमुख बनाया गया।

अब्दुल बाकी- उच्च शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सदर इब्राहिम- कार्यवाहक आंतरिक मंत्री बनाया गया।

गुल आगा शेरजई- वित्त मंत्री की जिम्मेदारी दी गई।

मुल्ला सीरिन- काबुल का नया गवर्नर बनाया गया।

हमदुल्लाह नुमानी- काबुल का मेयर नियुक्त किया गया।

नजीबुल्लाह- अफगानिस्तान खुफिया विभाग का प्रमुख बनाया गया।

अफगान संकट पर गुट की बैठकों में भारत को आमंत्रित किए जाने के पक्ष में जी-7 के देश

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

जी-7 देशों के प्रभावशाली सांसदों ने इस गुट की बैठकों में भारत को आमंत्रित किए जाने की अपील की है। इन बैठकों का मकसद अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद वैश्विक सुरक्षा एवं क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक संयुक्त मोर्चा विकसित करना है। अमेरिकी सांसद एवं विदेश संबंधों पर सीनेट की शक्तिशाली समिति के प्रमुख बॉब मेनेंडेज और इटली, फ्रांस, जर्मनी, जापान और ब्रिटेन तथा यूरोपीय संसद से उनके समकक्षों ने एक संयुक्त बयान मेंकहा, 'आतंकवाद के पैर पसारने की आशंका के बीच, हम चाहते हैं कि इस जी-7 बैठक में भारत को आमंत्रित किया जाए। जैसा कि अन्य आतंकवादी समूह हॉर्न ऑफ अफ्रीका (पूर्वोत्तर अफ्रीका) में जमा होने लगे हैं और हर कहीं फिर से सिर उठा रहे हैं, हमारा मानना है कि अफ्रीकी संघ को भी जी-7 बैठकों में जब भी उचित लगे, शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए।'

मेनेंडेज और जी-7 देशों के उनके समकक्षों ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'अफगानिस्तान से अमेरिका और संबद्ध बलों की वापसी की वैश्विक समुदाय द्वारा गलत व्याख्या नहीं की जानी चाहिए कि सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने, क्षेत्रीय सहयोग का समर्थन करने या लोकतांत्रिक मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने में जी-7 सरकारों के संकल्प कमजोर पड़ रहे हैं।' बयान में कहा गया कि आतंकवाद दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया, पूर्व एशिया या दुनिया के किसी भी हिस्से में हो, उससे तेजी से एवं निर्णायक कार्रवाई के साथ निपटा जाए।÷ सांसदों ने मांग की कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के किसी भी सदस्य को तालिबान शासन को एकतरफा मान्यता नहीं देनी चाहिए। जी-7 (ग्रुप ऑफ सेवेन) ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका का अंतरसरकारी राजनीतिक समूह है।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस बोलीं, चीन की दादागीरी से निपटने के लिए अमेरिका का साथ दे वियतनाम

हनोई। (एजेंसी)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने दक्षिण-पूर्व एशिया की यात्रा के दौरान चीन के खिलाफ अपना तीखा रुख बरकरार रखते हुए, दक्षिण चीन सागर में चीन की ''दादागीरी'' से निपटने के लिए वियतनाम से अमेरिका का साथ देने को कहा। वियतनाम के राष्ट्रपति गुयेन जुआन फुक के साथ द्विपक्षीय बैठक से पहले उन्होंने कहा, '' हमें बीजिंग पर संयुक्त राष्ट्र के समुद्री कानून का पालन करने, उसकी दादागीरी तथा उसके बढ़ा-चढ़ाकर किए जाने वाले नौवहन संबंधी दावों को चुनौती देने के लिएदबाव बनाने और दबाव बढ़ाने के तरीके तलाशने की जरूरत है।'' हैरिस ने मंगलवार को भी कहा था कि चीन दक्षिण चीन सागर के बड़े क्षेत्र में जबरदस्ती अपना दबदबा कायम करने, धमकाने और दावे करने का काम कर रहा है। हैरिस ने बुधवार को वियतनाम में कहा कि दक्षिण चीन सागर में अपने सुरक्षा हितों की रक्षा में मदद करने के लिए अमेरिका देश को अतिरिक्त 'यूएस कोस्ट गार्ड कटर' भेजने का समर्थन करता है। उन्होंने वियतनाम को एक रणनीतिक साझेदार से एक व्यापक साझेदार बनाने के फैसले का भी स्वागत किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के प्रयास में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने गठजोड़ को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया। गौरतलब है कि वियतनाम दक्षिण चीन सागर में चीन के क्षेत्रीय दावों का मुखर विरोधी रहा है और वह अमेरिका के एक प्रमुख भागीदार के रूप में उभरा है।

पाकिस्तान की नायला अमीन के नाम पर अमेरीका में बनेगा कानून

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की रहने वाली 13 साल की नायला अमीन की शादी कर दी गई थी, वह एक बाल वधू थी। अब उसके नाम पर एक कानून बन गया है जो न्यूयॉर्क में बालिका वधू जैसी प्रथा पर प्रतिबंध लगाता है। हाल ही में न्यूयॉर्क सरकार ने शादी की उम्र को बढ़ाकर 18 वर्ष करने के लिए एक बिल पर हस्ताक्षर किया है, जिसे लायलाज लॉ कहा जाता है। यह शनिवार से प्रभावी हो गया है।

किसी विवाह को बाल विवाह तब कहा जाता है, जब 18 वर्ष से कम उम्र में कानूनी रूप से वयस्क से शादी हो जाती है। यूनिसेफ के अनुसार, ऐसी शादियों में नाबालिग लड़के कम होते हैं, जबकि लड़कियों की अधिक संभावना होती है, इसका बड़ा कारण परिवारों का सामाजिक आर्थिक रूप से कमजोर होना है। परिवार अपने आर्थिक बोझ को कम करना चाहता है या शादी पैसों के लिए की जाती है। ऐसी शादियों के पीछे धार्मिक और सांस्कृतिक कारण भी होते हैं।

44 अमेरिकी राज्यों में अभी 18 साल से पहले भी शादी की अनुमति है। एंड्रयू कुओमो सरकार ने 2017 में न्यूयॉर्क में इस कानून पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद शादी के लिए उम्र 14 से बढ़ाकर 18 कर दी गई, लेकिन 17 साल के बच्चों की शादी माता-पिता की सहमति से की जा सकती है। इस बिल पर हस्ताक्षर कर के बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला न्यूयॉर्क छठा राज्य बन गया। अमीन एक कार्यकर्ता हैं, उन्होंने बाल विवाह पीड़ितों की मदद करने के लिए नायला अमीन फाउंडेशन की स्थापना की और कई वर्षों से यू.एस. में इसे समाप्त करने के लिए प्रेरित कर रही हैं। 2018 में न्यू जर्सी में शादी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तक कराने में उन्होंने मदद की, ऐसा करने वाला वह दूसरा राज्य बन गया। अमीन लॉन्ग आइलैंड के ब्रेंटवुड में न्यूयॉर्क राज्य विधानसभा सदस्य फिलिप रामोस के कार्यालय गई और उन्हें अपने बाल वधू होने के बारे में बताया। रामोस ने कहा बताया कि इस कहानी ने मेरे दिल को छू लिया और मुझे बाल विवाह को गैरकानूनी बनाने के लिए प्रेरित किया। अमीन ने कहा कि मैंने अपनी कहानी के साथ न्यूयॉर्क राज्य के हर विधानसभा सदस्य और हर सीनेटर को ईमेल किया और कहा कि कृपया इस बिल का समर्थन करें। लगभग 150 विधानसभा सदस्य थे और इसमें मुझे कई दिन लगे, मैंने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि हम अब अपने बच्चों के साथ ऐसा नहीं होने दे सकते। अमीन का कहना है कि यह केवल शुरुआत है, क्योंकि उनका लक्ष्य अभी 50 राज्यों में बाल विवाह को समाप्त करना है। अमीन की पाकिस्तान में अपने चचेरे भाई से 8 साल की उम्र में सगाई हो गई थी और पांच साल बाद पारंपरिक इस्लामी तरीके से निकाह कर दिया गया। अपनी शादी के दौरान अमीन लगातार डर में रहती थी, खुद को फर्श गिरी हुई पाती और पिटाई या बलात्कार के बारे में सोचती रहती थी। उसके पिता ने शादी को वैध बनाने के लिए अमेरिकी पति-पत्नी के लिए वीजा का आवेदन किया, ताकि तारिक अमेरिकी नागरिक बन सके। लगभग एक साल बाद वह यू.एस. आ गई आई, उसे मारा पीटा गया। अमीन को चाइल्ड प्रोटेक्टिव सर्विसेज ने ले लिया, बाद में वह भाग गई और घर लौट आई। बाद में उसे अमेरिकी दूतावास ने बचाया और उसे वापस न्यूयॉर्क लाया गया, जहां अब वह तारिक से आजाद थी और उसकी शादी रद्द कर दी गई। अमीन कहती है कि यू.एस. में फोस्टर केयर सिस्टम का वार्ड के कारण उसकी जान बच गई, लेकिन सभी उसके जैसे खुश किस्मत नहीं होते।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पिछले तीन साल में गन्ने के दाम नहीं बढ़ाने पर प्रियंका ने यूपी सरकार की आलोचना की

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस सरकार द्वारा गन्ना किसानों की मांगों को स्वीकार किए जाने के कुछ ही घंटों बाद पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार पर राज्य में गन्ने के दाम नहीं बढ़ाने को लेकर निशाना साधा है। प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा, पंजाब की कांग्रेस सरकार ने किसानों की बात सुनी और गन्ने के दाम 360 रू प्रति क्विंटल किए। गन्ने का 400 रू प्रति क्विंटल का वादा करके आई उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार ने 3 साल से गन्ने के दाम पर एक फूटी कौड़ी नहीं बढ़ाई है और किसानों द्वारा आवाज उठाने पर देख लेने जैसी धमकी देती है। अमरिंदर सिंह सरकार द्वारा गन्ना किसानों की मांगों को स्वीकार करने के बाद मंगलवार शाम को किसानों द्वारा पंजाब में रेलवे ट्रैक और राजमार्ग खाली करने के बाद प्रियंका की टिप्पणी आई है। पंजाब में किसानों ने 19 अगस्त से जालंधर में राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया था। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को ट्वीट किया, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि किसानों के साथ सलाह के बाद, हमने 360 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने के लिए एसएपी को मंजूरी दी है। मेरी सरकार हमारे किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। जय किसान, जय जवान! सिंह ने कहा कि वह किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और हर संभव तरीके से उन्हें समर्थन देने की मेरी क्षमता में सब कुछ करना जारी रखेंगे। उत्तर प्रदेश में 2022 की शुरूआत में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में अभी से जुबानी जंग तेज हो गई है। प्रियंका गांधी कई मुद्दों पर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना करती रही हैं।

राजस्थान में नहीं बंद होगी शराब, राजस्व बढ़ाने की तैयारी

जयपुर। राजस्थान सरकार अच्छी गुणवत्ता वाली शराब बेचकर राजस्व जुटाना चाहती है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राज्य सरकार ने भाजपा विधायक मदन दिलावर द्वारा विधानसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह स्पष्ट किया। दिलावर ने अपने सवाल में पूछा था कि 2019 और 2020 में शराब पीकर गाड़ी चलाने से राज्य में कुल 73 हादसे हुए जिनमें 37 लोगों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि साथ ही, महिलाओं के खिलाफ बलात्कार, हत्या, डकैती जैसी अपराध की घटनाओं में जिलेवार वृद्धि हुई है। क्या इन आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाना उचित है, यदि हां, तो जानकारी दें, यदि नहीं, तो कृपया विस्तृत रूप से जानकारी साझा करें। राज्य सरकार ने अपने स्टैंड पर विस्तार से बताते हुए कहा कि राज्य में शराब निरोधक नीति लागू है जिसके तहत विभाग अवैध शराब गतिविधियों पर कार्रवाई करता है। शराब उत्पादों पर नियंत्रण रखने का उद्देश्य अच्छी गुणवत्ता वाली शराब उपलब्ध कराना और राजस्व अर्जित करना है, वहीं शराबबंदी के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि पूर्व विधायक गुरुशरण छाबड़ा की पूर्व राजे सरकार के तहत शराबबंदी की मांग को लेकर राज्य में विरोध प्रदर्शन के बाद मौत हो गयी थी। इसके बाद से ही राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठ रही है।

सुप्रीम कोर्ट को बताया गया, मुजफ्फरनगर दंगों के 77 मामले अकारण वापस लिए गए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को सूचित किया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के संबंध में सीआरपीसी की धारा 321 के तहत 77 मामले बिना कोई कारण बताए वापस ले लिए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसरिया ने 2016 में अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका में न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) नियुक्त किया, जिसमें मौजूदा और पूर्व सांसदों/विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे में तेजी लाने के निर्देश की मांग की गई थी, ने शीर्ष अदालत में एक रिपोर्ट दायर की है। इस मामले में अधिवक्ता स्नेहा कलिता ने उनकी मदद की है। मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली पीठ याचिका पर विचार करने वाली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य सरकार ने न्यायमित्र को सूचित किया है कि 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से संबंधित 510 मामले मेरठ क्षेत्र के पांच जिलों में 6,869 आरोपियों के खिलाफ दर्ज किए गए थे। इनमें से 175 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया गया, 165 मामलों में अंतिम रिपोर्ट पेश की गई और 170 मामलों को हटा दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है, इसके बाद राज्य सरकार द्वारा सीआरपीसी की धारा 321 के तहत 77 मामले वापस ले लिए गए। सरकारी आदेश सीआरपीसी की धारा 321 के तहत मामले को वापस लेने का कोई कारण नहीं बताते हैं। इसमें केवल यह कहा गया है कि प्रशासन ने पूरी तरह से विचार करने के बाद निर्णय लिया है।

राष्ट्रपति कोविंद अयोध्या के राम मंदिर निर्माण स्थल जाकर पूजन-अर्चन करेंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 26 से 29 अगस्त तक उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। खास बात यह कि दौरे के आखिरी दिन वह अयोध्या जाकर श्रीराम मंदिर निर्माण स्थल का जायजा लेंगे और पूजन-अर्चन करेंगे। चार दिवसीय दौरे के दौरान वह लखनऊ, गोरखपुर और अयोध्या जाएंगे। राष्ट्रपति 26 अगस्त को लखनऊ में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति 27 अगस्त को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद की प्रतिमा का अनावरण करेंगे और कैप्टन मनोज पांडेय सैनिक स्कूल में एक सभागार का उद्घाटन करेंगे। उसी दिन वे लखनऊ स्थित संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के 26वें दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 28 अगस्त को गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष महाविद्यालय की आधारशिला रखेंगे और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगे। कोविंद 29 अगस्त को ट्रेन से लखनऊ से अयोध्या जाएंगे, जहां वह उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे।

ओबीसी वोट पर है बीजेपी की भी नजर, जाति आधारित जनगणना की मांग पर बढ़ सकती है आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जाति आधारित जनगणना की मांग के बीच भाजपा ने इस बात के संकेत दिए हैं कि वह इसके लिए अपने विचार खुले रखे है। इसके साथ ही भाजपा अपने सहयोगी नीतीश कुमार के जाति गणना के लिए ओबीसी पर राजनीति दांव लगाने के प्रयासों पर भी नजर बनाए हुए है। जाति आधारित जनगणना के मांग के पीछे क्षेत्रीय दलों का एकमात्र उद्देश्य ओबीसी समूहों की ताकत हासिल करने का है। भाजपा को भी ओबीसी वोटों का शानदार समर्थन मिला है तभी तो लोकसभा के 2 चुनाव में तथा कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी विजयी हुई है। इसके साथ ही भाजपा अगड़ी जातियों के साथ इसे संतुलित करने की कोशिश में भी है ताकि उसका आधार लगातार बढ़ता रहे।

हालांकि यह बात भी साफ है कि केंद्र जल्दबाजी में जाति आधारित जनगणना की घोषणा नहीं करने वाला है। वर्तमान में रूकी हई नियमित जनगणना में फेरबदल नहीं किया जा सकता है क्योंकि अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन है और कोड बदलना आसान नहीं

है। हालांकि पार्टी की ओर से यह संकेत मिलने जरूर शुरू हो गए हैं कि नियमित जनगणना के बाद इस प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला था जिसमें भाजपा भी शामिल थी। हालांकि, जाति आधारित जनगणना की मांग को राजनीतिक रूप से ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि क्षेत्रीय दल ओबीसी में बढ़ती बीजेपी के लोकप्रियता को कहीं ना कहीं ब्रेक लगाना चाहती है।

हालांकि यह पहले से ही पता था कि जाति आधारित जनगणना के लिए भाजपा की ओर से विरोध नहीं किया जाएगा। बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि पार्टी को इस मामले में कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि नीतीश कुमार द्वारा यह मांग ऐसे समय में उठाई जा रही है जब भाजपा खुद पेगासस विवादों के इर्द-गिर्द फंसी हुई है। भाजपा नीतीश कुमार के उस बयान को भी गौर कर रही है जिसमें उन्होंने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की तारीफ करते हुए कहा था कि यह उन्हीं का आईडिया था कि एक प्रतिनिधिमंडल इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करें। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजद और जदयू के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर के बावजूद नीतीश कुमार का यह बयान भाजपा को परेशान कर सकता है और यह भी उसे संकेत दे रहा है ह्ष्ठ के बाहर भी उनके लिए विकल्प है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कदमों को भाजपा भी पढ़ने की कोशिश कर रही है क्योंकि पिछले साल विधानसभा चुनाव में जदयू बड़े भाई की भूमिका से छोटे भाई की भूमिका में जा चुकी है।

दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल में कोविड-19 रैपिड रिस्पांस सेंटर का उद्घाटन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने 'राजीव गांधी सुपर स्पेशिएलिटी' अस्पताल में एक कोविड-19 त्वरित प्रतिक्रिया केंद्र (रैपिड रिस्पांस सेंटर) का उद्घाटन किया, जो संक्रमण की संभावित तीसरी लहर की आशंका के बीच शहर की स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। केन्द्र में एक आईसीयू इकाई भी शामिल है। केन्द्र रोगी के आगमन क्षेत्र तथा चिकित्सा वार्ड के बीच एक 'बफर जोन' (कागजी और अन्य औपचारिक कार्यवाही पूरी करने में काम आने वाला क्षेत्र) के रूप में काम करेगा। इस 650 बिस्तरों वाले अस्पताल ने वैश्विक महामारी की पहली दो लहरों के दौरान कोविड-19 संबंधी देखभाल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा, 'हमें भविष्य में भी ऐसे ही प्रकोप से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।'' अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मरीजों को लेकर बेहतर प्रबंधन के लिए और वास्तविक समय में आने वाले रोगियों की संख्या के साथ 'बेड टर्नओवर' (बिस्तरों की उपलब्धता की स्थिति) के मिलान के लिए, 'त्वरित प्रतिक्रिया केंद्र' समय की आवश्यकता है। केंद्र को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है- सात बिस्तरों वाले 'ट्राइएज क्षेत्र' (रोगियों की स्वास्थ्य के हालात के आधार पर उनका वर्गीकरण करना) और 23 बिस्तरों वाला आईसीयू क्षेत्र। अधिकारी ने बताया कि सभी बिस्तरों में वेंटिलेटर, बीआईपीएपी मशीन, एचएफएनसी और क्रैश कार्ट जैसे महत्वपूर्ण देखभाल उपकरणों के साथ 'मल्टीपारा मॉनिटर' लगे हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को कहा था कि कोविड-19 की तीसरी लहर के अंदेशे के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में चिकित्सा के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है और कोरोना वायरस के मरीजों के लिए 37,000 बिस्तरों की व्यवस्था की जा रही है।

राहुल से मिलने से पहले पंजाब के बागी मंत्रियों ने रावत से की मुलाकात

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान की बैठक से पहले, चार बागी कैबिनेट मंत्री, जो राज्य में सीएम बदलने की मांग कर रहे थे, एआईसीसी महासचिव हरीश रावत से मुलाकात करने बुधवार को देहरादून पहुंचे। चार मंत्रियों - तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, सुखजिंदर सिंह रंधावा, चरणजीत सिंह चन्नी और सुखबिंदर सिंह सरकारिया - ने एक दिन पहले कहा था कि कम से कम 20 अन्य कांग्रेस विधायकों के समर्थन से उनकी मुख्य मांग मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को बदलने की है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के बीच व्यापक असंतोष से आलाकमान को अवगत कराना चाहते हैं। बंद दरवाजे की बैठक के बाद वे स्पष्ट रूप से कह रहे थे कि पार्टी के लिए सीएम का विकल्प चुनने का समय आ गया है। उनकी मुख्य परेशानी, मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों के साथ, अधूरे चुनावी वादे थे। खासकर 2015 की बेअदबी और पुलिस फायरिंग के मामलों में कार्रवाई में देरी से भी नाराज हैं। चन्नी ने मीडिया से कहा कि अन्य विधायकों द्वारा अधिकृत पैनल उनकी शिकायतों को सुनने के लिए कांग्रेस आलाकमान से समय मांगेगा, अन्यथा पार्टी के लिए पंजाब में फिर से आना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि विधायकों ने रेत, ड्रग, केबल और परिवहन माफियाओं के अस्तित्व सहित कई मुद्दों को भी उठाया है।

जम्मू कश्मीर में भारत के इस परियोजना का विरोध कर रही पाकिस्तान, आगामी बैठक में भारत रखेगा अपना पक्ष

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में चेनाब नदी पर 624 मेगावाट की बड़ी विद्युत परियोजना 'कीरू जलविद्युत संयंत्र' की डिजाइन पर आपत्ति जताई है, हालांकि भारत का दावा है कि परियोजना में सिंधु जल संधि का पूरी तरह पालन किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। भारत के सिंधु आयुक्त प्रदीप कुमार सक्सेना ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान के सिंधु आयुक्त सैयद मुहम्मद मेहर अली शाह ने पिछले सप्ताह इस संबंध में आपत्ति दर्ज कराई थी। सक्सेना ने हालांकि कहा कि परियोजना की डिजाइन में सिंधु जल संधि के प्रावधानों का पूरी तरह पालन किया गया है। उनके मुताबिक इसे केंद्रीय जल आयोग ने प्रमाणित किया है, जो जल संसाधन के क्षेत्र में देश का शीर्ष संस्थान है।

उल्लेखनीय है कि परियोजना को चेनाब घाटी विद्युत परियोजना लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है जो राष्ट्रीय जलविद्युत कंपनी और जम्मू कश्मीर राज्य विद्युत विकास निगम (जेकेएसपीडीसी) का संयुक्त उपक्रम है। सक्सेना ने कहा, ''नदी के प्रवाह के मार्ग में ऊपर की ओर होने के नाते जिम्मेदार देश के रूप में भारत अपने अधिकारों का पूरी तरह उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है और संधि के अनुरूप पाकिस्तानी पक्ष द्वारा उठाये गये मुद्दों पर सौहार्दपूर्ण समाधान में भरोसा करता है।'' उन्होंने मंगलवार को बताया था कि इस परियोजना पर पाकिस्तान की आपत्तियों पर इस साल पाकिस्तान में होने वाली स्थायी सिंधु आयोग की अगली बैठक में चर्चा हो सकती है। सक्सेना ने कहा, '' आगामी बैठक में भारतीय पक्ष अपना रुख रखेगा और उम्मीद करता है कि पाकिस्तान उसे स्वीकार करेगा और बातचीत के माध्यम से उसकी आशंकाओं पर ध्यान दिया जाएगा।'' गौरतलब है कि संधि में पाकिस्तान को सूचना मिलने के तीन महीने के अंदर भारत की डिजाइन पर ऐतराज जताने का अधिकार है। भारत ने इस परियोजना संबंधी जानकारी जून में पाकिस्तान को दे दी थी।

अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये होगी शादी, अदालत कर रही विचार, बन सकता है कानून

कोच्चि (एजेंसी)।

केरल उच्च न्यायालय की एक वृहद् पीठ इस संभावना पर विचार करेगी की कि क्या विशेष विवाह कानून (एसएमए) के तहत शादी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ऑनलाइन कराई जा सकती है या नहीं। न्यायमूर्ति पी बी सुरेश कुमार की एकल पीठ ने सारे मामले पर दलीलें सुनने के बाद इसे विचार के लिए वृहद पीठ को भेज दिया था। यह आदेश कई याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर आया है, जिन्होंने तर्क दिया है कि कानून के तहत विवाह के लिए दूल्हा और दुल्हन की व्यक्तिगत शारीरिक उपस्थिति आवश्यक नहीं है।

दूसरी ओर, राज्य सरकार इस कानून के तहत विवाहों को ऑनलाइन संपन्न करने के पक्ष में नहीं है। यह तर्क दिया गया है कि एसएमए के तहत विवाह पंजीकरण से पहले विवाह होना अनिवार्य है और इसलिए, विवाह अधिकारी के समक्ष दोनों पक्षों और गवाहों की उपस्थिति आवश्यक

है। इसने यह भी दलील दी कि यदि ऑनलाइन तरीके को अनुमति दी जाती है, तो यह विवाह के इलेक्ट्रॉनिक रजिस्टर को बनाए रखने और भुगतान का एक ऑनलाइन माध्यम स्थापित करना अनिवार्य होगा, जो वर्तमान में मौजूद नहीं है।

इसके अलावा राज्य सरकार ने तर्क दिया है कि विवाह के अनुष्ठापन के लिए एक और आवश्यकता यह थी कि दोनों पक्षों में से कम से कम एक को विवाह अधिकारी की क्षेत्रीय सीमा के भीतर के क्षेत्र का,विवाह की सूचना जारी करने से पहले न्यूनतम 30 दिनों के लिए निवासी होना चाहिए। इसलिए, विदेश में रहने वाले दो व्यक्तियों का विवाह ऑनलाइन नहीं हो सकता है यदि वे निवास की आवश्यकता को पूरा नहीं करते हैं। याचिकाकर्ताओं का पक्ष रख रहे अधिवक्ता ए अहजर, जवाहर जोस और वी अजित नारायणन ने तर्क दिया है कि जब एसएमए के तहत विवाह ऑनलाइन पंजीकृत किए जा सकते हैं तो समारोह में भी शामिल पक्षों की प्रत्यक्ष उपस्थिति की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

6 सितंबर को निकाली जाएगी आदिवासी अधिकार यात्रा : पूर्व सीएम कमलनाथ

भोपाल। (एजेंसी)।

राजधानी भोपाल में मानस भवन में सर्व आदिवासी सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ शामिल होने पहुंचे। कमलनाथ के साथ मंच पर आदिवासी नेता एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में कमलनाथ ने बीजेपी पर जमकर कर निशाना साधा । उन्होंने कहा कि ये आदिवासियों को वोट के लिए बरगलाते हैं।

दरअसल सम्बोधन करते हुए कमलनाथ ने कहा कि इंदिरा गांधी ने आदिवासियों के लिए सबसे ज्यादा काम किया। बीजेपी आदिवासियों को वोट के लिए बरगलाते है। यही आदिवासी युवा आने वाले कल को सवारेंगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर आदिवासी सुरक्षित नहीं रहेगा तो मध्य प्रदेश का विकास कैसे होगा।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ने आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि कमलनाथ का साझ मत देना, कांग्रेस का साथ मत देना, लेकिन सच्चाई का साथ ज़रूर देना। किसी के बहकावे में मत आना, सिर्फ वोट काटने के लिए निर्दलीय चुनाव लड़वाया जाता है। वहीं कमलनाथ ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार को लेकर 6 सितंबर को आदिवासी अधिकार यात्रा निकाली जाएगी।

कमलनाथ ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि 75 साल पहले आजादी मिली थी। इतनी जाति, इतने धर्म हैं, ये हमारे देश की विभिन्नता है। उन्होंने काज की कोई ऐसा देश नहीं ही दुनिया में है जहां इतनी विविधता है। उन्आजादी के बाद नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के सामने सबसे बड़ी चुनौती ये थी कि भारत को कैसे एक साथ रखा जाए।

नहीं बदला तालिबान, महज बदल गए साथी, बिपिन रावत बोले- भारत हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के 33 प्रांतों पर तालिबान का राज है। समाचार माध्यमों से सामने आ रही तस्वीरों के जरिये वहां की स्थित पर अंदेशा लगाया जा सकता है। राष्ट्रपति अशरफ गनी अफगानिस्तान छोड़कर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) चले गए हैं। अमेरिका ने अपना दूतावास छोड़ दिया है और अस्थायी रूप से काबुल हवाई अड्डे से अभियान चला रहा है। फिलहाल काबुल हवाई अड्डे पर करीब 6,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं, जो हवाई रास्ते से लोगों को वहां से निकालने का काम देख रहे हैं।

इसी बीच सीडीएस जनरल बिपिन रावत का बयान सामने आया। 'भारत-अमेरिका साझेदारी: 21वीं सदी की सुरक्षा' कार्यक्रम में सीडीएस बिपिन रावत ने कहा कि हमने तालिबान के शासन का अनुमान लगाया था।

अफगानिस्तान के विषय पर उन्होंने कहा कि जो कुछ हुआ है वह कुछ ऐसा था जिसका अनुमान लगाया गया था, केवल समय बदल गया है। भारतीय नजरिए से देखा जाए तो हम तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे का अनुमान लगा रहे थे।

उन्होंने कहा कि हम इस बात से चिंतित थे कि अफगानिस्तान से आतंकवादी गतिविधि भारत में कैसे फैल सकती है। इसलिए इससे निपटने के लिए हमारी आकस्मिक योजनाएं चल रही थी। ऐसे में आप यह कह सकते हैं कि भारत किसी भी तरह की आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए तैयार हैं।

तालिबान ने चौंका दिया !

बिपिन रावत ने कहा कि तालिबान ने जिस तेजी से अफगानिस्तान पर कब्जा किया है उसने हमें चौंकाया है। लेकिन भारत हरस्थिति के लिए तैयार है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक सीडीएस बिपिन रावत ने कहा कि समाचार रिपोर्ट और वहां से आए प्रवासियों की खबरें हमें बता रही हैं कि तालिबान किस तरह की गतिविधियां कर रहा है। बस इतना हुआ है कि तालिबान ने अपने साथी बदल लिए हैं। अलग-अलग साझेदारों के साथ यह वही तालिबान है।

चेन्नई में सरकारी स्टिकर वाले वाहनों पर पुलिस ने की कार्रवाई

चेन्नई (एजेंसी)।

चेन्नई में कई लोगों और ड्राइवरों द्वारा सरकारी स्टिकर वाले वाहनों का दुरुपयोग करते पाए जाने के बाद तमिलनाडु पुलिस लगातार सरकारी स्टिकर वाले वाहनों पर कार्रवाई कर रही है। मंगलवार को शुरू हुई कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही, जिसके तहत अडयार, टी. नगर, ईसीआर, तारामणि, ट्रिप्लिकेन, मायलापुर और नगर निगम के अन्य व्यस्त जंक्शनों पर कई वाहनों को रोका गया। चेन्नई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त, एन. कन्नन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि हमें कई शिकायतें मिलीं कि सरकारी स्टिकर के संबंध में दुरुपयोग हो रहा था, जिसके बाद हमने एक कार्रवाई शुरू की। अधिकारी ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा किराए पर लिए गए निजी वाहन नंबर प्लेट में जी नहीं लिखवा सकते हैं, लेकिन एक मुद्रित शीट सरकारी ड्यूटी पर वाहन बताते हुए लगा सकते हैं। इसे वाहन के सामने वाले शीशे पर चिपकाया जा सकता है। सरकारी नियमों के अनुसार, सरकारी अधिकारी अपने वाहनों पर जी स्टिकर नहीं लगा सकते, भले ही वे आधिकारिक उद्देश्यों के लिए उनका उपयोग क्यों ना कर रहे हों। चेन्नई के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि जी स्टिकर का इस्तेमाल करने वालों पर धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया जा सकता है और उनके वाहन जब्त किए जा सकते हैं। यह ध्यान दिया जा सकता है कि चेन्नई शहर के पुलिस आयुक्त कार्यालय में जी स्टिकर के दुरुपयोग के संबंध में बड़ी संख्या में शिकायतें आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। स्टिकर मुख्य रूप से पुलिस जांच से बचने के लिए और यातायात नियमों का उल्लंघन करने के बाद बचने के लिए उपयोग किए जाते हैं। कई लोग इसे टोल शुल्क का भुगतान करने से बचने के लिए कवर के रूप में उपयोग करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश की सबसे कम आयु की पायलट बने सूरत की बेटी

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर की 19 वर्षीय युवती ने छोटी आयु में पायलट बनकर सूरत समेत गुजरात का नाम रोशन किया है। मैत्री पटेल नामक युवती ने अमेरिका में 11 महीने का प्रशिक्षण पूर्ण कर कॉमर्शियल पालट का लाइसंस प्राप्त किया है। सूरत के घोडदोड क्षेत्र में रहनेवाली मैत्री के पिता कांतिलाल किसान हैं और माता महानगर पालिका में सेवारत हैं। कक्षा 12 की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मैत्री पटेल पायलट के प्रशिक्षण के लिए अमेरिका गई थी। आम तौर पर विमान चलाने के लिए 18 महीने का प्रशिक्षण होता है। लेकिन बचपन से पायलट बनने की मजबूत इच्छा रखने वाली मैत्री पटेल ने 11 महीने में ही कॉमर्शियल विमान उड़ाना सीख लिया और अमेरिका ने उसे इसका लाइसंस भी दे दिया। पायलट बनकर

सूरत लौटी मैत्री पटेल ने बताया कि भारत में सबसे अधिक महिला पायलट हैं और मैं भी उनमें शामिल होना चाहती हूं। जल्द ही मैं कैप्टन बनने का भी सपना पूरा करूंगी। मैत्री ने बताया कि सूरत से दिल्ली के बीच शुरू हुई पहली फ्लाइट में यात्रा के दौरान पिता ने मुझसे पायलट बनने को कहा था। उस वक्तसे मैंने पायलट बनने की तैयारियां शुरूकर दी थीं। लाइसंस मिलने के बाद मैंने अपने पिता को अमेरिका बुलाया और आकाश में 3500 फूट ऊंचाई पर उन्हें सैर कराई थी। मैत्री के पिता कांतिलाल ने बताया कि उनकी इच्छा थी कि मेरी पायलट बने और उसने हमारी इच्छा आज पूरी कर दी है। मैत्री की माता रेखा पटेल ने बताया कि छोटी आयु में लाइसंस प्राप्त करने पर पिता कांतिलाल उसे 'श्रवण कुमार' नाम दिया है। अमेरिका में लाइसंस प्राप्त कर चुकी मैत्री को अब भारत में विमान उड़ाने के लिए भारत के नियमों के मुताबिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और उसके बाद उसे लाइसंस मिल जाएगा।

आम आदमी पार्टी ने कलेक्टर को आवेदन देकर सूरत में रेलवे ट्रैक के पास झुग्गी बस्तियों को हटाने की वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की

सूरत के सलाबतपुरा में स्थानीय लोगों में नगर निगम की टीम पर हाथापाई

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर के सलाबतपुरा इलाके में आज दबाव हटाने पहुंची सेंट्रल जोन की टीम से विवाद के बाद हमले को लेकर भारी बवाल हो गया है. इस संबंध में दबाव विभाग के एक अधिकारी द्वारा सलाबतपुरा थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी है और पुलिस ने आगे की जांच

शुरूकर दी है.

दबाव हटाने के दौरान, हाथापाई स्थानीय लोगों ने कहा कि नगर पालिका के मध्य क्षेत्र में प्रशासन के लिए दबाव एक स्थायी सिरदर्द बन गया है। आज भी मध्य क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ दबाव विभाग की एक टीम सलाबतपुरा के राजानगर इलाके में दबाव को दूर करने पहुंची. उस समय स्थानीय लोगों और नगर निगम की टीम द्वारा उठाई जा रही लॉरियों के बीच कहासुनी हो गई।

सार-समाचार

गुजरात के सभी जिलों के स्कूल-कॉलेजों में कोरोना वैक्सीनेशन कैंप लगाया जाएगा

गुजरात के सभी जिलों के स्कूल और कॉलेजों में कोरोना टीकाकरण के कैंप का आयोजन किया जाएगा। ऐसे कैंप के आयोजन के जरिए स्कूल-कॉलेजों के 18 साल से अधिक उम्र के विद्यार्थियों, टीकाकरण के पात्र कर्मचारी, शिक्षक और उनके परिवारजनों को कोरोना टीकाकरण अभियान के अंतर्गत शामिल कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल, ऊर्जा मंत्री सौरभभाई पटेल, मुख्य सचिव अनिल मुकीम और वरिष्ठ सचिवों की उपस्थिति में बुधवार को हुई कोर कमेटी की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। आगामी पांच सितंबर को शिक्षक दिवस से पहले सभी शिक्षकों को कोरोना वैक्सीन के कवच से सुरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को दिए गए निर्देश के चलते गुजरात में भी राज्य सरकार ने इस संबंध में पूरी व्यवस्था करने का निर्णय किया है। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्तमुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने इस संदर्भ में कहा कि स्कूल एवं कॉलेजों में कोरोना टीकाकरण कैंप के लिए जिलों को वैक्सीन की अतिरिक्तखुराक भी आवंटित करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने कोर कमेटी की बैठक में दिए हैं।

राज्य के 677 निशस्त्र एएसआई को 11 महीने के लिए बनेंगे पीएसआई

अहमदाबाद,निशस्त्र एएसआई को गुजरात पुलिस मेन्युअल में अस्थायी तौर पर एडहोक पदोन्नत करने का प्रावधान है और उसके मुताबिक राज्य के 677 निशस्त्र एएसआई को 11 महीने अस्थायी रूप से बतौर पीएसआई पदोन्नत किया जाएगा। गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ बनाने के उपायों को प्रभावी से रूप ले लागू करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विजय पटेल के मार्गदर्शन में राज्य के 677 निशस्त्र एएसआई को 11 महीने के लिए अस्थायी रूप से बतौर पीएसआई पदोन्नत करने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि मामलों की जांच और उससे संबंधित कागजात तैयार करने, बयान कलमबद्ध करने, मामले से संबंधित सबूत जुटाने, मामले की जांच करने और पेशी पर कोर्ट में पेश होने में पीएसआई की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। पीएसआई की सेवा कानून-व्यवस्था बरकरार रखने के अलावा प्राकृतिक आपदा और राज्य के दौरे पर आनेवाले महानुभावों की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण होती है। जाडेजा ने कहा कि सरकार के इस फैसले से राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति मजबूत होगी और कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए दिन-रात सेवारत पुलिसकर्मियों को उत्साहपूर्वक अपना कर्त्तव्य निभाने की प्रेरणा मिलेगी।

8 महानगरों जन्माष्टमी पर 2 घंटे और गणेशोत्सव में 1 घंटे कर्फ्यू में ढील

अहमदाबाद,राज्य में आगामी जन्माष्टमी और गणेशोत्सव लोग भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मना सकें, इसके लिए सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला किया है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में हुई कोर समिति की बैठक में राज्य के 8 महानगरों में कर्फ्यू में ढील देने का निर्णय किया गया है।